वर्ष-10, अंक-45 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज शनिवार 20 अप्रैल, 2024

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

आईआईटा कानपुर और बीएचयू को मिले नए निदेशक, इन 7 प्रोफेसरों को मिली भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। छह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को गुरुवार को नए निदेशक मिल गए। मणींद्र

अग्रवाल को आईआईटी कानपुर और अमित पात्रा को आईआईटी बीएचयू का निदेशक नियुक्त किया गया है। छह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को गुरुवार को नए निदेशक मिल गए। मणींद्र अग्रवाल को आईआईटी कानपुर और अमित पात्रा को आईआईटी बीएचयू का निदेशक नियुक्त किया गया है। मणींद्र आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर है।अंतरिक्ष को सबके लिए खुला बताते हुए उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में संप्रभुता की कोई अवधारणा नहीं हो सकती। कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष समीर वी कामत और सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शिकरत कर रहे है। आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को आईआईटी जोधपुर का निदेशक नियुक्त किया गया है। मणींद्र आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को आईआईटी जोधपुर का निदेशक नियुक्त किया गया है। सुकुमार मिश्रा को आईआईटी धनबाद का निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि डीएस कट्टी आईआईटी गोवा के नए प्रमुख होंगे। आईआईटी मद्रास के देवेंद्र जलिहाल को आईआईटी गुवाहाटी का निदेशक नियुक्त किया गया है।

लोकसभा की 102 सीटों पर वोटिंग शुरू, पीएम मोदी बोले- मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश में पहले चरण में 21 राज?यों/केंद्र शासि?त प्रदेशों में मतदान शुरू हो चुके हैं। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी सीटों पर वोटर्स से वोट देने की अपील की है। साथ ही आग्रह किया कि इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएं।1 देश में पहले चरण में 21 राज?यों/केंद्र शासि?त प्रदेशों में मतदान शुरू हो चुके हैं। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी सीटों पर वोटर्स से वोट देने की अपील की है। साथ ही आग्रह किया कि इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएं। पीएम मोदी ने पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं से मतदान में भाग लेने की विशेष अपील की है।लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव आज से शुरू हो रहा है! लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में 21 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की 102 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। इन सभी सीटों के मतदाताओं से मेरा आग्रह है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें और वोटिंग का नया रिकॉर्ड बनाएं।

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी होंगे अगले नौसेना प्रमुख, 30 अप्रैल को पदभार ग्रहण करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। वह 30 अप्रैल को अपना नया पदभार संभालेंगे। वर्तमान में वाइस एडमिरल त्रिपाठी नौसेना के उपप्रमुख हैं। इससे पहले वह पश्चिमी नौसेना कमान में फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ थे।करीब 40 वर्ष के अपने लंबे करियर में वह कई महत्वपूर्ण अभियानों से जुड़े रहे हैं।करीब 40 वर्ष के अपने लंबे करियर में वह कई महत्वपूर्ण अभियानों से जुड़े रहे हैं। सैनिक स्कूल, रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड्गवासला के पूर्व छात्र दिनेश त्रिपाठी एक जुलाई, 1985 को नौसेना में शामिल हुए थे। संचार एवं इलेक्ट्रानिक युद्ध विशेषज्ञ त्रिपाठी ने सिगन्ल कम्युनिकेशन ऑफिसर एंड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर आफिसर के रूप में नौसेना के अग्रिम युद्धपोतों पर काम किया है बाद में गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर आइएनएस मुंबई के कार्यकारी अधिकारी एवं प्रधान युद्ध अधिकारी के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने आइएनएस विनाश, किर्च और त्रिशूल की कमान भी संभाली है। उन्हें अति विशिष्ट सेवा मेडल और नौसेना मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनकी पतने शशि त्रिपाठी एक कलाकार और होम मेकर हैं। उनका पुत्र वकील है।

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। वह 30 अप्रैल को अपना नया पदभार संभालेंगे। वर्तमान में वाइस एडमिरल त्रिपाठी नौसेना के उपप्रमुख हैं। इससे पहले वह पश्चिमी नौसेना कमान में फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ थे। करीब 40 वर्ष के अपने लंबे प्रमुख नियुक्त किया है। वह 30 अप्रैल को अपना नया पदभार संभालेंगे। वर्तमान में वाइस एडमिरल त्रिपाठी नौसेना के उपप्रमुख हैं। इससे पहले वह पश्चिमी नौसेना कमान में फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ थे। करीब 40 वर्ष के अपने लंबे

तमिलनाडु में वोट के लिए नोट अब पार्टियों उम्मीदवारों के लिए बन रहा महंगा सौदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चेन्नई। चुनाव आयोग की सख्ती के बावजूद नोट के बदले वोट देने की बढ़ रही चिंताजनक प्रवृत्ति पर फिलहाल विराम लगने के संकेत नहीं मिल रहे हैं और तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाली वोटिंग के लिए उम्मीदवारों को इससे प्रभावित होने वाले मतदाताओं के एक वर्ग को साधने के लिए अलग-अलग रास्ते निकालने पड़ रहे हैं। चुनाव आयोग की सख्ती के बावजूद नोट के बदले वोट देने की बढ़ रही चिंताजनक प्रवृत्ति पर फिलहाल विराम लगने के संकेत नहीं

मिल रहे हैं और तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाली वोटिंग के लिए उम्मीदवारों को अलग-अलग रास्ते निकालने पड़ रहे हैं। खुले तौर पर कोई उम्मीदवार या पार्टी वोट के बदले पैसे देने की बात स्वीकार नहीं कर रही। आयोग के चौतरफा सर्विलांस से लेकर घूमते फ्लाइंग स्कावड के खतरों के मद्देनजर प्रत्याशियों को वोटरों के अपने इस एक वर्ग को खुश करने के लिए मोबाइल या डिश रिजार्च से लेकर घरेलू उपभोक्ता सामानों का उपहार पहुंचाने का तरीका निकालना पड़ रहा है।

पहले 'रण' में प्रत्याशियों संग मतदाताओं की भी परीक्षा, अलर्ट मोड पर चुनाव आयोग, पल-पल की जुटाई जा रही है जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लोकतंत्र के महापर्व में मतदान को लेकर आज इंतजार खत्म हो गया है। 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों के लिए आज (शुक्रवार को) पहले चरण के लिए मतदान शुरू हो गया है। आज न केवल 1625 उम्मीदवारों के लिए परीक्षा की घड़ी है, बल्कि साथ ही 16.63 करोड़ मतदाताओं की भी परीक्षा है कि वे तेज गर्मी में भी अपने उत्साह को ठंडा न पड़ने दें और अधिक से अधिक मतदान करें पहले चरण के इस चुनाव में आठ केंद्रीय मंत्रियों दो पूर्व मुख्यमंत्री व एक पूर्व राज्यपाल के भाग्य का भी फैसला होगा। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश (60 सीटें) और सिक्किम (32 सीटें) में विधानसभा के लिए भी वोट पड़ेंगे। चुनाव आयोग ने पहले चरण का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपनन कराने के लिए 18 लाख कर्मचारियों की तैनाती की है पहले चरण के इस चुनाव में आठ केंद्रीय मंत्रियों, दो पूर्व मुख्यमंत्री व एक पूर्व राज्यपाल के भाग्य का भी फैसला होगा। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश (60 सीटें) और सिक्किम (32 सीटें) में विधानसभा के लिए भी वोट पड़ेंगे। चुनाव आयोग ने पहले चरण का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपनन कराने के लिए 18 लाख कर्मचारियों की तैनाती की पीलीभीत, चेनन्ई साउथ, चेनन्ई सेंट्रल और कोयम्बटूर आदि शामिल हैं। पहले चरण में 35.67 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे।

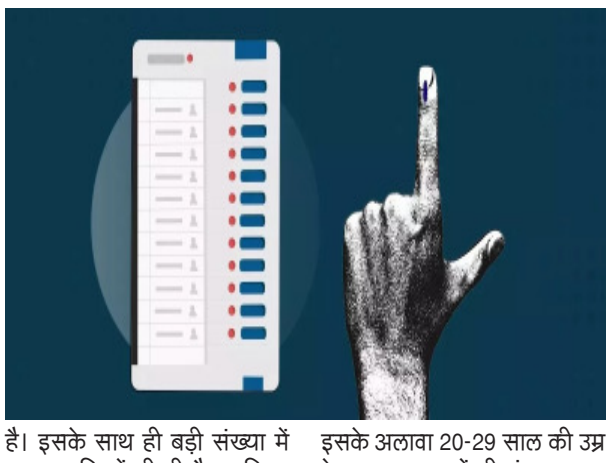

है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में सुरक्षा कमिन्यों की भी तैनात किया गया है। पहले चरण में शामिल 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 10 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं, जिनकी सभी सीटों पर मतदान होगा। इनमें सबसे अधिक 39 सीटें अकेले तमिलनाडु की हैं। इसके अलावा उत्तराखंड की पांच सीटें शामिल हैं। पहले चरण में जिन चर्चित सीटों के लिए मतदान होगा, उनमें नागपुर, छिंदवाड़ा, इसके अलावा 20-29 साल की उम्र के युवा मतदाताओं की संख्या 3.51 करोड़ है 2019 के लोकसभा चुनाव में संप्रग ने इन 102 सीटों में से 45 और राजग ने 41 सीटें जीती थीं। इनमें से छह सीटों को परिसीमन के बाद फिर से सुगठित किया गया है। पिछली बार लोकसभा चुनाव में 67.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग की ओर से भी लोगों से अधिक से अधिक मतदान के लिए निकलने की अपील की गई है। इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। बता दें कि सात चरणों में पूरी होने वाली मतदान प्रक्रिया एक जून को संपनन होगी और चार जून को नतीजे आएंगे।पहले चरण का चुनाव राजनीतिक दलों के साथ चुनाव आयोग के भी बड़ी चुनौती है क्योंकि इनमें बस्तर सहित वह सभी संवेदनशील सीटें भी हैं, जहां पोलिंग पाटिर्यों को काफी मुश्किल से पहुंचाया जाता है। यही वजह है कि आयोग ने पोलिंग पाटिर्यों के रवाना होने के साथ ही अपने कंट्रोल रूम को भी एक्टिव मोड में डाल दिया है। इन क्षेत्रों में पोलिंग पाटिर्यों के सकुशल पहुंचने के साथ ही पहले चरण की सभी सीटों से जुड़ी पल-पल की जानकारी अपडेट की जा रही है। यह कंट्रोल रूम अगले 36 घंटे तक रात-दिन काम करेगा चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मतदाताओं के लिए जारी अपने वीडियो संदेश में ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की। साथ ही कहा कि यह ऐसा मौका है जब वह अपनी ताकत दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों को सकुशल संपनन कराने के लिए उनकी टीम पिछले दो सालों से लगातार काम कर रही है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग शुरू, ये टॉप 10 उम्मीदवार जिन पर है सबकी नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में आज मतदान शुरू होने के साथ ही विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी महाकुंभ का शंखनाद हो गया। आज 16

राज्य और 5 केन्द्र शासित प्रदेशों में 102 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जा रहे हैं। साथ ही अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के लिए भी आज वोट डाले जा रहे है।लोकसभा चुनाव के पहले चरण में आज मतदान शुरू होने के साथ ही विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी महाकुंभ का शंखनाद हो गया। आज 16 राज्य और 5 केन्द्र शासित प्रदेशों में 102 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जा रहे हैं। साथ ही अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के लिए भी आज वोट डाले जा रहे है।लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 8 केंद्रीय मंत्री, 2 पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आदिवासी अधिकार और अनुच्छेद 370 सहित कुछ मुद्दे भी दांव पर हैं। आइए आज आपको 10 हाईप्रोफाइल सीट के बारे में जानकारी देते हैं।बीकानेर लोकसभा सीट को कभी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। लेकिन 2004 से यह सीट भाजपा का गढ़ बन गया है। 19 अप्रैल को मौजूदा सांसद, भाजपा के अर्जुन राम मेघवाल चौथी बार कांग्रेस के गोविंद राम मेघवाल के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। यह एक ऐसी लड़ाई है जहां कांग्रेस इस बार जीत की उम्मीद कर रही है। भाजपा सांसद ने 2009 से लगातार चार बार सीट जीती है। अर्जुन राम मेघवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल का भी हिस्सा थे, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व राज्य मंत्री हैं।तमिलनाडु के 39 लोकसभा सीटों में से एक चेनन्ई सेंट्रल को डीएमके का गढ़ माना जा रहा है। यहां से दयानिधि मारन चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री मारन को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विनोज पी. सेल्वम से चुनौती मिल रही है। भाजपा उम्मीदवार 2021 में हार्बर विधानसभा क्षेत्र में डीएमके के पीके शेखर बाबू से हार गए थे।

ट्रंप के आपराधिक मामले में ट्रायल शुरू करने के लिए जूरी चुनना बना चुनौतीपूर्ण, पॉर्न स्टार से जुड़ा है केस

न्यूयॉर्क। ट्रंप पर एक पॉर्न स्टार को अपने संबंधों के बारे में चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप में ट्रायल शुरू होना है। इसके लिए जूरी चुनने की प्रक्रिया जारी है।

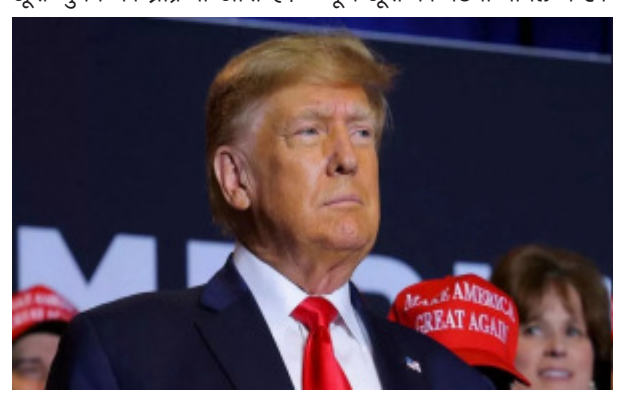

लेकिन निष्पक्ष जूरी चुनने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रक्रिया के दौरान गुरुवार को पैनल के लिए चुने गए एक जूरी सदस्य को उसकी निष्पक्ष होने की क्षमता पर संदेह व्यक्त करने के बाद हटा दिया गया। ट्रंप पर एक पॉर्न स्टार को अपने संबंधों के बारे में चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप में ट्रायल शुरू होना है। इसके लिए जूरी चुनने की प्रक्रिया जारी है। लेकिन निष्पक्ष जूरी चुनने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रक्रिया के दौरान गुरुवार को पैनल के लिए चुने गए एक जूरी सदस्य को उसकी निष्पक्ष होने की क्षमता पर संदेह के बाद हटा दिया गया। पैनल के लिए चुने गए दूसरे न्यूयॉर्क के रहने वाले सदस्य का चुना जाना इसलिए अधर में फंस गया, क्योंकि अदालत में उसके कुछ जवाब सही नहीं थे। पूर्ण जूरी का बैठना मामले में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। मुकदमे में राष्ट्रपति बनने से पहले के वर्षों में ट्रंप के निजी जीवन के संबंध में संभावित रूप से गवाही भी पेश की जाएगी। जूरी चयन प्रक्रिया ने मंगलवार को सात जूरी सदस्यों के चयन के साथ गति पकड़ ली थी। लेकिन गुरुवार को न्यायाधीश जुआन मर्चन ने बताया कि सात में से एक ने बताया कि रात भर उसे इस मामले में निष्पक्ष होने की अपनी क्षमता के बारे में चिंता थी। महिला ने कहा कि उसके परिवार के सदस्यों और दोस्तों ने उससे जूरी सदस्य होने के बारे में सवाल किया। मुकदमे की सुनवाई के लिए 12 जूरी सदस्यों और छह वैकल्पिक सदस्यों को बैठना होगा।

भारत फिलीपींस को आज सौंपेगा ब्रह्मोस मिसाइलों का पहला सेट, 2022 में दोनों देशों के बीच हुआ था समझौता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का पहला सेट देने के लिए तैयार है। यह खेप शुक्रवार को सौंपी जाएगी। वर्ष 2022 में दोनों देशों के बीच 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।भारत फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का पहला सेट देने के लिए तैयार है। यह खेप शुक्रवार को सौंपी जाएगी। वर्ष 2022 में दोनों देशों के बीच 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। फिलीपींस ऐसे समय में मिसाइल प्रणालियों की डिलीवरी ले रहा है जब दक्षिण चीन सागर में लगातार झड़पों के कारण उनके और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है।रक्षा सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायु सेना फिलीपींस मरीन कॉर्प्स को हथियार प्रणाली पहुंचाने के लिए मिसाइलों के साथ अपने अमेरिकी मूल के सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान को फिलीपींस भेज रही है। उन्होंने कहा कि मिसाइलों के साथ-साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली के लिए ग्राउंड सिस्टम का निर्यात पिछले महीने ही शुरू हुआ था।फिलीपींस ऐसे समय में मिसाइल प्रणालियों की डिलीवरी ले रहा है जब दक्षिण चीन सागर में लगातार झड़पों के कारण उनके और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की तीन बैटरियों को क्षेत्र में किसी भी खतरे से बचाने के लिए फिलीपींस द्वारा अपने तटीय क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल डीआरडीओ और रूस का एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसे दुनिया के सबसे सफल मिसाइल प्रोग्राम में से एक कहा जाता है।वैश्विक स्तर पर सबसे अग्रणी और सबसे तेज सटीक-निर्देशित हथियार के रूप में ब्रह्मोस ने भारत की निवारक क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय सेना ने 2007 से कई ब्रह्मोस रेजिमेंटों को अपने शस्त्रागार में एकीकृत किया है।

भाजपा के घोषणापत्र में अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख ही नहीं' बीजेपी घोषणापत्र पर बरसे असदुद्दीन ओवैसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

हैदराबाद। भाजपा पर अल्पसंख्यकों से नफरत करने का आरोप लगाते हुए एआईएमआईएम

प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में 'अल्पसंख्यक' शब्द का उल्लेख करने से भी परहेज किया है। ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपना दल (के) के साथ एआईएमआईएम का गठबंधन विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा और पार्टी महाराष्ट्र के अकोला में प्रकाश आंबेडकर और अमरावती में आनंद आंबेडकर का समर्थन करेगी। भाजपा पर अल्पसंख्यकों से नफरत करने का आरोप लगाते हुए एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख करने से भी परहेज किया है। ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपना दल (के) के साथ एआईएमआईएम का गठबंधन विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा और पार्टी महाराष्ट्र के अकोला में प्रकाश आंबेडकर और अमरावती में आनंद आंबेडकर का समर्थन करेगी ओवैसी ने कहा, ठमैंने 17 अप्रैल को विभिनन समाचारपत्रों में भाजपा का विज्ञापन देखा है।

युवाओं को लुभाने के लिए भाजपा ने लॉन्च किया 'वोट फॉर द गोट' कैंपेन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चुनाव प्रचार अभियान के बीच भाजपा ने युवाओं पर फोकस

करते हुए 'वोट फॉर द गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम)' नाम से बड़ा कैंपेन शुरू किया है। जिसमें युवाओं को फोकस करते हुए पिछले दस सालों में खेल, स्टार्टअप, मेक इन इंडिया व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उठाए गए कदमों की जिक्र किया गया है। साथ ही अर्थव्यवस्था को मजूबती देने, भ्रष्टाचार को खत्म करने और कोरोना काल में देश और दुनिया के दूसरे देशों को मदद करने वाले मोदी सरकार के कदमों को भी गिनाया है। और उन्हीं को वोट करने की बात की है। चुनाव प्रचार अभियान के बीच भाजपा ने युवाओं पर फोकस करते हुए वोट फॉर द गोट नाम से बड़ा कैंपेन शुरू किया है। जिसमें युवाओं को फोकस करते हुए पिछले दस सालों में खेल स्टार्टअप मेक इन इंडिया व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उठाए गए कदमों की जिक्र किया गया है। इस वीडियो कैंपेन के जारी होने के कुछ घंटे में ही इसे लाखों लोग देख चुके है। तीन मिनट से अधिक के वीडियो के जरिए शुरू किए गए इस कैंपेन को युवाओं को लुभाने वाली संगीत की धुनों में कुछ इस तरह से पिरोया गया है कि जिसे देखकर प्रत्येक युवा मोदी सरकार के कामों पर गर्व महसूस करेगा।

माफिया को ईडी ने नोटिस जारी कर कहा- बंगले का अवैध निर्माण ध्वस्त कराकर करें सूचित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की नजर में माफिया

अतीक अहमद अभी तक जीवित है। प्राधिकरण ने अतीक अहमद ने नाम से बकायदा नोटिस जारी कर अवैध निर्माण ध्वस्त करने की चेतावनी दी है। यह भी चेतावनी दी है कि यदि आदेश पर अमल नहीं हुआ तो पीडीए निर्माण को ध्वस्त करा देगा और इसमें आने वाले व्यय को अतीक अहमद से वसूलेगा। विभाग के इस नोटिस को लेकर तरह-तरह की चर्चा चल रही है। पीडीए की भी अजब-गजब कार्यशैली हैरान कर देने वाली है। इस बार एक वर्ष पहले पुलिस कस्टडी में गोलियों से छलनी किए जा चुके माफिया अतीक अहमद को अवैध निर्माण रोकने के लिए पीडीए ने नोटिस जारी किया है। दरअसल, हाईकोर्ट चौराहे पर आंबेडकर प्रतिमा के पास उत्तर की पटरी पर अतीक अहमद के स्वामित्व वाले नजूल भूखंड संख्या 571/2 सिविल स्टेशन नंबर -दो को चार वर्ष पहले पीडीए ने ध्वस्त करा दिया था तीक के मारे जाने के बाद उस भूखंड पर एक बार फिर निर्माण शुरू करा दिया गया। बाहर से टिन घेरा लगाकर अंदर काम कराए जाने की शिकायत मिलने के बाद के महीनों बाद पीडीए की तंद्रा टूटी।पीडीए ने मृत अतीक अहमद के नाम से नोटिस जारी कर उसे अवैध निर्माण रोकने और खुद से ध्वस्त करने के लिए आगाह किया है। जोनल अधिकारी की ओर से अतीक के नाम भेजे गए नोटिस में लिखा है, चार वर्ष पहले छह अगस्त 2020 को किए अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध कारण बताने और अवैध निर्माण रोकने के लिए कहा गया था, लेकिन आप की ओर से निर्माण बंद नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में बंगला नंबर दो पर अवैध निर्माण को स्वयं ध्वस्त कर इस कार्यालय को सूचित करें।पीडीए के जोनल अधिकारी संजीव कुमार उपाध्याय ने नोटिस में कहा है कि बंगला नंबर-दो में अवैध निर्माण तत्काल हटा लें, अन्यथा किसी भी दिन उसे ध्वस्त करा दिया जाएगा। इस ध्वस्तीकरण पर आने वाले सभी आय-व्यय को भू राजस्व बकाये के रूप में आपसे वसूल किया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर इस बंगले में भवन स्वामी के वारिस या अन्य व्यक्ति रह रहे हों तो उसे तत्काल खाली कर दें। वह मकान अतीक अहमद के ही नाम है। ध्वस्तीकरण के बाद वहां फिर से अवैध निर्माण की शिकायत मिली है, ऐसे में भवन स्वामी के नाम से नोटिस जारी करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया जाएगा।मरे हुए माफिया के नाम से नोटिस नहीं जारी किया जा सकता है।

डांसर सपना चौधरी को एक माह के भीतर जारी करें पासपोर्ट, कोर्ट ने एसीजेएम न्यायालय का आदेश किया रद्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। डांसर सपना चौधरी ने एसीजेएम अदालत के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिसमें उनके पासपोर्ट को नवीनीकृत करने के आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया कि अदालत के पास पासपोर्ट नवीनीकृत करने की अनुमति देने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डांसर सपना चौधरी के पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र पर रोक लगाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने पासपोर्ट अधिकारियों को सपना चौधरी द्वारा उनके पासपोर्ट के नवीनीकरण या पुनः जारी करने के लिए दिए गए आवेदन पर निणय्य लेने और एक महीने के भीतर आदेश पारित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार व्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। यह कहते हुए जस्टिस शमीम अहमद की पीठ ने पासपोर्ट जारी करने के लिए आपत्ति प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार करने वाले अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय का आदेश रद्द कर दिया।

बेसिक शिक्षा की वेबसाइट बता रही बिहार में कैसे पालें गाय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की आधिकारिक बेवसाइट में सेंधमारी का मामला प्रकाश में आया है। सरकारी वेबसाइट खोलने पर ऐसी जानकारी मिल रही है जिसका विभाग से कोई लेना देना नहीं है। हैरत की बात यह है कि इसकी जानकारी भी विभागीय अधिकारियों को नहीं है। बेसिक

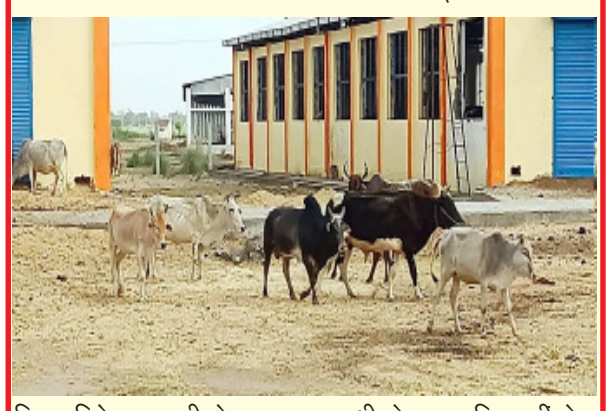

शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट आजकल यह बता रही है कि बिहार में गाय पालने की योजना का लाभ कैसे उठाएं। मध्य प्रदेश की लाडली योजना क्या है और मध्य प्रदेश शिक्षा बोर्ड का परिणाम कैसा रहा? समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय की वेबसाइट को क्लिक करने पर भी ऐसी ही खबरें सामने आ रही हैं। हैरतअंगेज है कि सरकारी पोर्टल में हुई इस सेंधमारी से अफसर पूरी तरह बेखबर हैं।बेसिक शिक्षा विभाग की वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर बेसिक शिक्षा निदेशालय, समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय, एससीईआरटी, बेसिक शिक्षा बोर्ड, मिड-डे मील और साक्षरता निदेशालय का लिंक दिया गया है। इसमें बेसिक शिक्षा निदेशालय और समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय पर क्लिक करते ही नया पेज खुलता है। इसमें विभागीय जानकारी के बजाय यूपीईएफए डॉट कॉम खुलती है।यह एक निजी वेबसाइट है, जिसमें विभिनन राज्यों की सरकारी योजनाओं से जुड़ी खबरें प्रसारित हो रही हैं। वेबसाइट ने अपने घोषणा पत्र में साफ-साफ लिखा है कि उसका सरकारी विभागों से कोई संबंध नहीं है। इसके बाद भी सरकारी वेबसाइट से इसका लिंक हो जाना और वहां खबरों का बेधड़क प्रसारण होना हैरतअंगेज है। बेसिक शिक्षा विभाग की साइट पर विभाग की एक भी योजना का जिक्र नहीं होना भी चौंकाता है। प्रेरणा पोर्टल का भी यही आलम है। यहां बेसिक शिक्षा का जो लिंक दिया गया है, उसे क्लिक करने पर कुछ और ही खुल रहा है।बेसिक शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत प्रदेशभर में 1.33 लाख प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। यहां तैनात 6.26 लाख शिक्षक करीब दो करोड़ बच्चों को पढ़ा रहे हैं। इन शिक्षकों के अधिकांश कार्य इसी वेबसाइट से होते हैं। उन्हें विभागीय विवरण नहीं मिलना परेशानी का सबब है।बेसिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रताप सिंह बघेल भी वेबसाइट की हैकिंग से हैरत में हैं। उन्होंने कहा कि आपके जरिये यह बात संज्ञान में आई है। पहले विभाग की कई वेबसाइट थीं, जिन्हें एक प्लेटफॉर्म पर लाया गया है। सभी का यहीं लिंक दिया गया है। इसमें कैसे कोई और घुस गया, इसे चेक कराएंगे। ठीक भी कराएंगे।

सुस्त कार्य संस्कृति से जिला अदालतें खो रहीं आमजन का भरोसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कानपुर नगर के एक मामले में सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला न्यायालयों की कार्यशैली पर सख्त

टिप्पणी की है। कहा कि ट्रायल कोर्ट की सुस्त कार्यशैली के चलते आम लोगों का जिला अदालतों के प्रति विश्वास कमजोर हो रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालतों की सुस्त कार्य संस्कृति पर तल्ख टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने कहा, सुस्त कार्य संस्कृति से जिला अदालतों के प्रति आम लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है। कोर्ट ने कहा, लोग न्याय की तलाश में थाना-पुलिस और थकने के बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे, लेकिन सक्षम न्यायालय की शरण में जाने से कतरा रहे हैं। यह स्थिति खतरनाक है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कानपुर नगर की मायादेवी की जमीन पर कब्जा दिलाने की मांग वाली याचिका पोषणीयता के आधार पर खारिज कर दी। स्पष्ट किया, अनुच्छेद 226 के अंतर्गत हाईकोर्ट का काम जमीन का कब्जा दिलाना नहीं है, ऐसे विवादों के निपटारे का काम सिविल कोर्ट का है। सक्षम न्यायालय की उपेक्षा करने वाले पक्षकार की भावना कितनी भी मजबूत क्यों न हो, वह राहत का हकदार नहीं हो सकता। यह अदालत की अवमानना भी है। हालांकि यह भी सच्चाई है कि जिला अदालतों की सुस्त कार्य संस्कृति ने लोगों के मन ने अदालतों के प्रति निराशा पैदा कर दी है। लोग चाहते हुए भी सक्षम अदालतों की शरण लेने से बच रहे हैं। यह हालात चिंताजनक होने के साथ विचारणीय भी है। कोर्ट ने कहा, अक्सर देखा गया है कि एक पक्ष को राहत देने या राहत से इन्कार करने पर न्यायिक अधिकारियों को प्रशासनिक स्तर पर होने वाली शिकायतों का सामना करना पड़ता है। उन्हें यह डर भी सताता है कि कहीं उनका आदेश उच्च अदालत से पलट न दिया जाए। नतीजतन, न्यायाधीश के लिए अपने अधिकार क्षेत्र का स्वतंत्र रूप से प्रयोग करना मुश्किल हो गया है।कानपुर नगर के मामले में माया देवी के पति पीएसी लखनऊ में आरक्षी हैं। 15 फरवरी 2021 को घाटमपुर तहसील के गुच्चुपुर गांव में उन्होंने वीर बहादुर सिंह से 0.7460 हेक्टेयर जमीन का पंजीकृत बैनामा करवाया। बाद में दाखिल खारिज भी करा लिया। याची का कहना था कि 21 मई 2022 को जब वह अपनी जमीन का कब्जा लेने पहुंचीं तो भूमि विक्रेता ने कब्जा न देकर,गाली गलौज और फिर मारपीट भी की। उन्होंने एफआईआर दर्ज कराते हुए न्याय पाने के लिए एसडीएम, डीएम और कमिशन्र के कार्यालय के चक्कर काटे। पति के कमांडेंट को भी पत्र लिखा, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। विवश होकर उन्होंने खरीदी गई जमीन पर पर कब्जा दिलाने और दोषियों के खिलाफ कारवाई की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।कोर्ट ने अदालतों की सुस्त कार्य प्रणाली के लिए वकीलों को भी जिम्मेदार ठहराया। कहा, जिला अदालत में आए दिन होने वाली हड़ताल और सीट पर बैठ कर तारीख पर तारीख लेने की संस्कृति भी मुकदमों के त्वरित निस्तारण में बाधक है। इससे लोग विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए सक्षम जिला अदालतों का विकल्प खोजते-खोजते, अधिकारियों और पुलिस थानों के चक्कर काटते हैं। फिर थककर हाईकोर्ट का रुख कर लेते हैं।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

ट्रक ने ट्रैक्टर में मारी टक्कर, खलासी की मौत, चालक गंभीर; पहुंचा पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सूचना पर पहुंची पुलिस से घायल हो गया।बिहार के भभुआ जिला के मोहनिया थाना क्षेत्र के मिलते ही अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक शेषधर पांडेय मय फोर्स

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल चालक को जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया।चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र के गोधना झक्का की मड़ई के समीप नेशनल हाईवे पर भूसी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली में शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे वाराणसी की ओर जा रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें ट्रैक्टर के खलासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप कटरा निवासी ट्रैक्टर चालक मंटू (35) ट्रैक्टर ट्रॉली पर भूसी लादकर वाराणसी की ओर जा रहा था। गोधना झक्का की मड़ई के समीप वह पहुंचा ही था कि पीछे से आ रहे तेज गति ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर डिवाइडर पर जबकि ट्रॉली नेशनल हाईवे पर पलट गई। ट्रैक्टर के खलासी कमलेश (30) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रक ट्रैक्टर ट्राली में धक्का मारते हुए डिवाइडर पर चढ़ गया। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी घटनास्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने घायल ट्रैक्टर चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, खलासी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक शेषधर पांडेय ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। चालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक चालक वाहन छोड़ कर मौके से फरार हो गया है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व मंत्री ने की बैरिया विधानसभा से चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा; सोशल मीडिया पर हुए भावुक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। चुनाव परिणाम के बाद पार्टी नेतृत्व को मैंने अवगत कराया कि अब आगे मैं कभी भी बैरिया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं साइट फेसबुक पर एक पोस्ट में पूर्व मंत्री ने बैरिया विधान सभा क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए लिखा है कि श्रीराम जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं,

लड़ूंगा। सैकड़ों कार्यकर्ताओं से आत्मीय संबंध बने जो आजीवन रहेगा। प्रदेश के पूर्व मंत्री और बलिया नगर से पूर्व विधायक आनंद स्वरूप शुक्ला ने कहा है कि वो अब बैरिया विधानसभा से कभी चुनाव नहीं लड़ेंगे। चुनावी सीजन में पूर्व मंत्री की इस घोषणा के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। चर्चा है कि वह अपनी कर्म भूमि बलिया नगर विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे।यहां से वह पहले भी चुनाव लड़े थे। सोशल मीडिया आज के पावन दिवस पर आप सभी से मन की बात साझा करना चाहता हूं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व ने मुझे मेरी जन्मभूमि व कर्म भूमि बलिया नगर विधान सभा क्षेत्र से स्थानांतरित कर आपके बैरिया विधान सभा क्षेत्र से पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया था। मात्र 20 दिनों में अपनी संपूर्ण शक्ति व सामर्थ्य से चुनाव लड़ा। सभी कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया इसका आभारी रहूंगा।

मेड़बंदी कराने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने बोला हमला, तीन सब इंस्पेक्टर, तीन सिपाही घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। ग्रामीणों के हमले के बाद पुलिसकर्मी भी अपना बचाव करने लगे। तभी ईंट-पत्थर भी चलने लगे। इस दौरान छह होकर लाठी, ईंट, पत्थर से हमला बोल दिया। इसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसमें तीन एसआई और एक हेड कांस्टेबल और दो सिपाही शामिल हैं। पुलिस ने सभी एसडीएम सदर साश्वत अग्रवाल व मुख्य राजस्व अधिकारी अरुण कुमार के आदेश पर मेड़बंदी कराने पहुंचे थे। पुलिस टीम के साथ नायब तहसीलदार

पुलिसकर्मी घायल हो गए। वहीं, सदर एसडीएम साश्वत अग्रवाल ने बताया कि मेरे आदेश से टीम नहीं गई थी। कोर्ट का आदेश था। मेरे पास किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।वाराणसी के चौबेपुर थानाक्षेत्र के गांव संदहा में मेड़बंदी कराने गई पुलिस व राजस्व टीम पर करीब डेढ़ सौ ग्रामीणों ने एकजुट घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया। वहीं, हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने को तहरीर दी है। चिरईगांव चौकी प्रभारी पंकज राय ने बताया कि शहर के ब्रह्मनाल मोहल्ले के गोपीनाथ पुत्र स्वर्गीय मूसे के प्रार्थना पत्र पर न्यायालय ने पैमाइश का आदेश दिया था। इस पर शहर प्रीतम सिंह व राजस्व निरीक्षक राजेशराम राजस्व कर्मियों की टीम के साथ थे। टीम ने जैसे ही पैमाइश शुरू की तो सोमारु यादव करीब डेढ़ सौ लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और विरोध करते हुए टीम पर पथराव शुरू कर दिया। हमलावर हाथ में लाठी, ईंट, पत्थर लिए हुए थे।

एसपी सिटी के निर्देश पर एसडीम की निजी कार सीज, जानिए पुलिस ने क्यों की ये कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। गोरखपुर में वाहन चेकिंग के दौरान बृहस्पतिवार को डुमरियागंज के एसडीएम की प्राइवेट कार सीज कर दी गई। गाड़ी पर हूटर और स्टीकर लगा मिलने पर एसपी (सिटी) के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। एसडीएम डॉ. संजीव कुमार दीक्षित गोरखपुर में तहसीलदार रह चुके हैं।बृहस्पतिवार को एसपी (सिटी) कृष्ण कुमार बिशनेई रेलवे जीएम ऑफिस के पास से जा रहे थे। इस दौरान उनकी नजर एक प्राइवेट कार पर पड़ी, जिस पर हूटर लगा था। उन्होंने तत्काल वाहन को रोकवाकर पुलिस बुला ली। पुलिस ने पूछताछ की तो चालक ने बताया कि कार, एसडीएम डुमरियागंज की है, जो पहले गोरखपुर सदर तहसीलदार भी रह चुके हैं। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई होने के बाद एसडीएम ने संपर्क भी किया था, लेकिन तब तक कार्रवाई हो चुकी थी।

नहीं थी फायर एनओसी, होगी कार्रवाई; जद्दूमंडी स्थित होटल में आग का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। लक्सा थाना क्षेत्र के जद्दूमंडी स्थित होटल सनशिव में आग लग गई थी। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थी। पांच मंजिला होटल में बीती शाम शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कही जा रही थी।वाराणसी के जददूमंडी स्थित होटल सन शिव में सुरक्षा मानकों की अनदेखी मिली। भूतल के साथ पांच तल वाली बहुमंजिला इमारत में संचालित होटल और रेस्टोरेंट में आग से सुरक्षा के उपाय के

नाम पर कुछ यंत्र दिखे। अग्निशमन विभाग ने होटल प्रबंधन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। फायर एनओसी न होने पर कार्रवाई भी होगी। आगामी 15 दिन में होटल में आग से सुरक्षा के उपाय की व्यवस्था मानक के अनुरूप करने की चेतावनी दी जाएगी। इसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम दोबारा निरीक्षण करेगी। खामियां मिलने पर होटल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देसी जुगाड़ तकनीक से फसलों को बचाने में जुटा किसान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। इस जुगाड़ और अत्याधुनिक तकनीक के बेजोड़ नमूने को देखने के लिए भी लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने इस जुगाड़ तकनीक की काफी सराहना की।

कहा कि जिस तरीके से मौसम में बदलाव हो रहा है उसमें यह जुगाड़ तकनीक किसानों के लिए लाभदायक बन सकती है।अप्रैल के महीने में गेहूं की कटाई और मढ़ाई का काम तेजी से चल रहा है। अनन्दाता मौसम के रूप को देखते हुए खड़ी फसलों की कटाई के साथ उसकी मढ़ाई और फसलों को बचाने में दिन रात लगा हुआ है। कहा जाता है कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है, ऐसे में मौसम की मार से बचने के लिए किसान अत्यधिक के साथ जुगाड़ तकनीक का भी सहारा खूब ले रहे हैं। शुक्रवार को एक ऐसा ही नजारा जनपद के कोपागंज विकासखंड क्षेत्र के चौबेपुर गांव में देखने को मिला, जहां अनन्दाता अपनी भूसे और गेहूं दोनों को बचाने के लिए इस जुगाड़ तकनीकी से काम करने में लग रहे। थ्रेसर में जगह से भूसा निकलता है वहां से करीब 17 से 18 फीट के टीन शेड लगाया गया और उसे एक कुर्सी के सहारे टिका दिया गया, जिससे भूसा की उड़ने की संभावना बिल्कुल समाप्त हो गई।वहीं, दूसरी तरफ गेहूं को भी संरक्षित कर एक बोरे में रखा जाने लगा। इस नई तकनीकी का जुगाड़ करने वाले मनोज उर्फ बिल्डर और किस पंकज ने बताया कि मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में हल्की बारिश और तेज हवा की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में बारिश होने से जो गेहूं की फसल कट चुकी है, उसमें कीड़े लगने के साथ खराब होने की प्रबल संभावना होती है।बता दें कि जनपद में लगभग पिछले तीन से चार दिनों से 30 से 32 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। आमतौर पर गेहूं की मढ़ाई का काम शाम ढलने के बाद ही किस कर रहे हैं। लेकिन मौसम के बदलते रुको देखते हुए किसान न तो दिन के इंतजार में है और ना ही रात के इंतजार में। वह तो बस अत्यधिक के साथ जुगाड़ तकनीकी का सहारा लेकर अपनी फसल और भूसे की बढ़ाने की जब दो जहर में लगा हुआ है।

कुत्ता काटे तो सुई लगवाने मत आइए, पहले चार और लोग खोजकर लाइए, तब लगेगी वैक्सीन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। अगर आप देहात इलाके में रहते हैं और गली में घूमने वाले कुत्तों ने काट लिया हो तो फिर

वैक्सीन लगवाने के लिए जिला अस्पताल ही आना होगा। नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी रैबीज वैक्सीन तो मौजूद है, लेकिन सिस्टम की खामियों के चलते दूरदराज के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। वजह यह है कि इन स्वास्थ्य केंद्रों पर वॉयल तभी खुलता है, जब वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या पांच हो। स्टाफ भी पीडित से कहता है कि वैक्सीन लगवानी है तो चार ऐसे लोग और लेकर आओ। इसी गणित के चलते देहात के लोगों को ज्यादा खर्च कर जिला अस्पताल आना पड़ रहा है हालांकि, स्वास्थ्य केंद्रों पर वैक्सीन लगवाने के लिए बुधवार और शनिवार का दिन निर्धारित है, लेकिन यह समझने वाली बात है कि 48 घंटे के भीतर ही पहली डोज अनिवार्य है, तो ऐसे में इंतजार मुसीबत को दावत देने जैसी है।यह दिक्कत नया नहीं है। लंबे समय से इसके समाधान की प्रक्रिया तो चल रही है, लेकिन कुछ ठोस अब तक नहीं हो सका है। ऐसा भी नहीं है कि अगर मरीज, जिला अस्पताल आ जाए तो उसे तुरंत ही इंजेक्शन लग जाएगी। इसकी भी एक लंबी प्रक्रिया है। सुबह आठ बजे से नंबर लगने की शुरुआत होती है। फिर डॉक्टर देखने के बाद तय करते हैं कि वैक्सीन की डोज कितनी होनी चाहिए।ऐसे में अगर 60 किलोलीटर दूर बड़हलगंज में किसी को कुत्ते ने काट लिया तो इस प्रक्रिया में उलझ कर ही रह जाएगा। उसे मजबूरन प्राइवेट वैक्सीन खरीदनी पड़ेगी, जिसकी कीमत वर्तमान में 800 से 1000 रुपये के बीच है। शहर में भी कुत्तों का आतंक.. बच्चे-बुजुर्ग सभी परेशान देहात इलाके में हालात तो खराब हैं ही, शहर में भी कुत्तों का आतंक कम नहीं है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजिनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
महानिदेशक अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश
★C.O.P.A. ★Electrician ★Fire Safety & Industrial Security ★Computer Hardware & Maintenance
★Fitter ★Computer Application ★Welding Technology
★Security Service ★Repair of Refrigerator ★Computer Teacher Training
★Electric Technician & A.C. ★Certificate in YOGA
Message
नन्दी गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
स्टाम्प न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन विभाग
उत्तर प्रदेश
मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था "नैनी आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र" द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी "प्रवेश विवर्जिका" नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका छात्र / छात्राओं में चेतना, सृजनात्मक शक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं उनकी वैचारिक एवं मानसिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने मे अवश्य सार्थक सिद्ध होगी।
संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका " प्रवेश विवर्जिका" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं!
भवदीय
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
Nand Goapal Gupta
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
N.C.V.T. D.G.E.T से मान्यता प्राप्त
फिटर
आसान किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा
COPA
छात्रवृत्ति की सुविधा
100% प्लेसमेंट की गारंटी
अप्रेन्टिशिप की सुविधा
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

अध्यक्ष, राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश ने तहसील मड़िहान का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीर्जापुर। पांच वर्ष से अधिक लम्बित राजस्व वादो का साप्ताहिक तिथि लगाकर कराये निस्तारण पेयजल हेतु तहसील परिसर में ओवरहेड जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने पुष्प गुच्छ व देवी चित्र भेटकर स्वागत व अभिनन्दन किया। तत्पश्चात तहसील मड़िहान पहुंचकर तहसील परिसर, परिसर में स्थित कार्यालयों वितरण की स्थिति आदि पत्रावलियों का निरीक्षण कर देखा गया तथा वितरण प्रमाण पत्र का भी निरीक्षण करते हुये कहा कि इसका रजिस्टर बनाया जाए ताकि किसी के द्वारा

टैंक व आर0ओ0 लगाकर जल जीवन मिशन योजना से कराये कनेक्शन उप जिलाधिकारी न्यायालय मे पुराने वादो का निस्तारण व धारा-144 सहित अन्य वादो में अपेक्षित प्रगति न होने तथा पत्रावलियों पर व्यवस्थित ढंग से जारी ई-परवाना आदि के अंकित न होने पर जारी सम्बन्धित पेशकार को प्रतिकूल प्रविष्ठि व उप जिलाधिकारी मड़िहान से स्पष्टीकरण की गयी मांग राजस्व वसूली बढ़ाने के साथ ही 10 बड़े बकायेदारो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश मीरजापुर 18 अप्रैल 2024- मा0 अध्यक्ष, राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश डॉ रजनीश दूबे ने आज अपने जनपद भ्रमण के दौरान सबसे पहले विन्ध्याचल पहुंचकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन कर आर्शीवाद लिया। इस दौरान व तहसील के अभिलेखागार, न्यायालयों आदि के कायी का निरीक्षण किया गया। तहसील परिसर के निरीक्षण के दौरान उपस्थित वादकारियों से वार्ता भी गयी जिसमें वादकारियों द्वारा बताया गया कि परिसर में पेयजल की समस्या है मा0 अध्यक्ष ने पेयजल की समस्या के समाधान के लिये उप जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि परिसर में एक ओवरहेड टैंक निर्माण अथवा तात्कालिक व्यवस्था में सिटेक्ट का एक बड़ा टैंक रखकर उसे आर0ओ0 से कनेक्ट करे तथा जल जीवन मिशन से टैंक मे कनेक्शन कराते हुये पेयजल की समस्या दूर करायें। परिसर मे स्थित खाद्य एवं रसद कार्यालय के निरीक्षण के दौरान राशन वितरण, पात्र गृहस्थी काडी की संख्या तथा उसके सापेक्ष इसे सत्यापित किया जा सकें। उन्होने आई0जी0आर0एस0 में प्राप्त राशन न मिलने की शिकायतों के निस्तारित प्रार्थना पत्रो को आधे घण्टे के अन्दर उप जिलाधिकारी से सम्बन्धित शिकायतकर्ता से वार्ता कर सत्यापित कर अवगत कराने का निर्देश दिया। तहसील हवालात के निरीक्षण कर परिसर के बाहर प्रकाश व्यवस्था तथा नये निर्माणाधीन हवालात को कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग से पूर्ण कराने निर्देश उप जिलाधिकारी को दिया गया। तहसील के उप जिलाधिकारी न्यायालय के निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित पेशकार के द्वारा कायी में लापरवाही बरतने तथा कई पत्रावलियों को मुकदमों के निस्तारण के बाद रजिस्टर पर अंकित न करने पर प्रतिकूल प्रविष्ठ देने का निर्देश दिया तथा पांच वर्ष से अधिक डब्लू0एस0, धारा-144 सहित अन्य कई लम्बित मुकदमों को देखकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये उप जिलाधिकारी मड़िहान से स्पष्टीकरण की मांग करते हुये निर्देशित किया कि पांच वर्ष से अधिक लम्बित वादो का साप्ताहिक तिथि निर्धारित करते हुये 31 मई 2024 तक निस्तारण कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। तत्पश्चात तहसीलदार न्यायालय के निरीक्षण के दौरान पांच वर्ष से अधिक कुल 06 मुकदमें तीन निस्तारित पाया गया तथा तीन को तत्काल निस्तारण के निर्देश देते हुये तहसीलदार न्यायालय के कायी पर संतोष व्यक्त किया। न्यायालयों में गौशवारा बनवाने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान दुघर्टना बीमा में क्षतिपूर्ति, अभिलेखागार का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें 1359, 1293 आदि पत्रावलियों को देखकर उसे स्कैन कराकर संरक्षित करने का निर्देश दिया। इस दौरान नजारत अनुभाग में रजिस्टर-4 का भी निरीक्षण किया गया। संग्रह अभिलेखागार में निरीक्षण के दौरान डब्लू0बी0एन0 के द्वारा बैक वसूली हेतु डिमांड आदि न भेजने, अमीनो के उपार्जित अवकाश व चढ़ाये जाने अन्य कायी में लापरवाही बरतने पर डब्लू0बी0एन0 से स्पष्टीकरण की मांग करते हुये एक सप्ताह के अन्दर समस्त पत्रावलियों को दुरूस्त करने का निर्देश दिया। राजस्व वसूली की जानकारी लेते हुये उप जिलाधिकारी मड़िहान को निर्देशित किया कि 10 बड़े बकायेदारो की सूची बनाकर उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। इस दौरान बैको के द्वारा भेजे गये आर0सी0 की वसूली न होने पर भी नाराजगी व्यक्त की गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, मुख्य राजस्व अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह उपस्थित रहें।

ये जब भी देखा है तारीख़ की नज़रों ने, लम्हों ने ख़ता की थी सदियों ने सज़ा पाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। ज़ेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के कुटवाया झाझर रोड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भाजपा के लोकसभा गौतमबुद्धनगर

के प्रत्याशी महेश शर्मा की पक्ष में आयोजित जनसभा में उपस्थित हजारों लोगों के मध्य मशहूर शायर मुजफ्फर रज्मी की लाइनों के माध्यम से तत्कालीन सरकारों में हुए घोटालों और भ्रष्टाचार पर तीखा हमला बोलते हुए उपरोक्त बातें कहीं। इससे पहले जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह अपने आवास से हजारों ट्रैक्टरों और गाड़ियों के काफिले के साथ सभा स्थल तक पहुंचे। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने तत्कालीन सरकारों पर कड़ा प्रहार करते हुए उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए आगे कहा कि इतत्कालीन सरकारों में भ्रष्टाचार चरम पर था। जनपद गौतमबुद्धनगर में स्थित नोएडा और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में हजारों करोड़ों रुपए के घोटाले हुआ करते थे। किसानों से उनकी जमीनों को लेने के लिए गोलियां चलती थी। भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की एक लंबी दास्तां इस प्रदेश ने झेली है। 2017 से पहले यह गौतमबुद्धनगर गुंडागर्दी और माफियाओं के नाम से विख्यात था।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ठवर्ष 2014 से पहले लोगों में परस्पर अविश्वास था। भारत का दुनिया में सम्मान खत्म हो चुका था, सीमाएं सुरक्षित नहीं थी। भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका था। किसान और नौजवान आत्महत्या कर रहा था। महिलाएं असुरक्षित थी। गरीब की कल्याणकारी योजनाओं पर तत्कालीन सरकारों के लोग डकैती डाल रहे थे, लेकिन 2014 के बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बड़ा है। आज देश की सीमाएं सुरक्षित हुई है। आतंकवाद और अलगाववाद का खात्मा हुआ है। व्यापारी सुरक्षित है। तत्कालीन सरकारों के जनप्रतिनिधि आतंकवाद और अलगाववाद पर बोलने को तैयार नहीं थे, लेकिन आज मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से धारा 370 खत्म हुई है साथ ही तीन तलाक की कुप्रथा भी समाप्त हो गई। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट आज जेवर में बन रहा है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को रौंदा, ग्राम प्रधान की मौत, एक घायल; रेफर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दर्दनाक हादसे के बाद के ग्राम प्रधान के मौत की यह दूसरी घटना है।सोनभद्र के पनूनांज थाना

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घायल को अस्पताल भेजा। साथ ही मृत ग्राम प्रधान के परिजनों को भी सूचना दे दी गई थी।सोनभद्र के पनूनांज थाना क्षेत्र के रामगढ़ संगम इंटर कॉलेज के पास बीती देर रात ट्रैक्टर की चपेट में आने से किचार के ग्राम प्रधान की मौत हो गई। हादसे में प्रधान के साथ बाइक पर मौजूद एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। एक माह के अंदर ब्लॉक के ग्राम प्रधान के मौत की यह दूसरी घटना है।बाद में उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। प्रेम शंकर की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने ग्राम प्रधान केशव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में रख दिया।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदे से लटककर दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दुद्धी। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के मधुबन गांव के खैरटिया टोला में बुधवार की रात युवक ने घर के बड़ेर में फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया।मधुबन गांव के खैरटिया टोला निवासी श्याम नारायण गोंड (28) मजदूरी करता था। बुधवार की रात घर में पति-पतने के बीच किसी बात पर विवाद हो गया। इसके बाद नाराज होकर पतने घर से बाहर चली गई। काफी देर तक नहीं लौटी तो श्याम नारायण ने नायलॉन की रस्सी से फंदा बनाकर बड़ेर के सहारे लटक गया। भोर में पतने घर आई तो श्याम नारायण का शव फंदे पर लटकता देख सनन रह गई। परिवार के अन्य सदस्यों को घटना की जानकारी दी। परिजनों से सूचना पाकर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक को नौ साल की एक बेटी है। कोतवाली प्रभारी कुमुद शेखर ने बताया कि घटना से पहले पति-पतने में विवाद हुआ था। मामले की छानबीन की जा रही है।

भगवान श्रीराम के आदर्शो को आत्मसात करें यही सच्ची श्रद्धांजलि आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा (सोनभद्र)। हिण्डालको रेणुसागर पावर डिवीजन स्थित सुमंगलम भवन में मर्यादा पुरुषोत्तम अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेनुसागर पावर डिवीजन के यूनिट हेड आर पी सिंह ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं मान्यता प्राप्त श्रम कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। माल्यार्पण के उपरांत मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी को रामनवमी की बधाई देते हुए अपने उद्गार में कहा कि मार्यादा पुरूोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में जिन उच्च आदर्शो की स्थापना की, हम उन आदर्शो को अपने जीवन में आत्मसात करें, और आने वाले हर युग में इनकी प्रासंगिकता बनी रहेगी। संस्थान के संस्थापक घनश्यामदास बिड़लाजी भारतवर्ष के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के सपनों को मूर्त रूप देने के लिये औद्यौगिकीकरण की उन्होनें अलख जगाई । एक तरफ जहा भगवान श्रीराम मर्यादा के पर्याय है वही दूसरी ओर घनयामदासजी बिड़ला भारत के ओद्यौगिक क्रान्ति के प्रतीक है। इसी क्रम में मानव संसाधन प्रमुख शैलेस विक्रम सिंह ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शो का अनुसरण कर हम सभी समाज और देश के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करें, यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक होगा। इस अवसर पर भजन गायक अभय मिश्रा ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ भक्ति से ओत प्रोत भजनो से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनीष सिंह,सुबोध दवे,समीर आनंद, मृदुल भरद्वाज, कर्नल जयदीप मिश्रा,प्रणव सोनी, के अलावा संस्थान के विभिनन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, मान्यताप्राप्त श्रमिक संगठनो के पदाधिकारी शैलेन्द्र यादव, गीता प्रसाद,जसवंत सहित तमाम श्रमिक गण श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात प्रसाद ग्रहण किए। कार्यक्रम का सफल सन्चालन व धन्यवाद ज्ञापन रोहित सक्सेना के द्वारा किया गया ।

भगवान श्रीरामचन्द्रजी एवं हिण्डालको के संस्थापक घनश्याम दास जी बिड़ला द्वय का जन्म ''संस्थापक दिवसठ के रूप में धूम-धाम से भजन कीर्तन, श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस संगठनों के पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलित कर भगवान श्रीरामचन्द्रजी,हनुमान जी एवं भारत के महान उद्योगपति हिण्डालको संस्थापक घनश्याम दास जी बिड़ला के चित्रों पर माल्यार्पण करके

युवा शक्ति द्वारा वोट फोर नेशन मतदाता जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा के सवीदय विद्या मंदिर विद्यालय सदरपुर और युवा शक्ति - वाईएसएस फाउंडेशन द्वारा सदरपुर कॉलोनी सदरपुर गांव एवं सेक्टर 45 में भव्य मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन कला एवं रैली के माध्यम से किया गया। इस अभियान में स्कूल के छात्र, छात्राओं अध्यापकों और स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला मजिस्ट्रेट / जिला निर्वाचन के नेतृत्व में बच्चों द्वारा पोस्टर बनाए गए जिस पर मतदाता जागरूकता अभियान के स्लोगन एवं कला द्वारा जन जागरूकता दी गयी। जिसमें आने वाली 26 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित कर और लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदार करने के लिए आवहन किया। इस अभियान से स्थानीय निवासियों में मतदान के प्रति जागरूकता बड़ी और आगामी और आगामी चुनाव में अपनी राय व्यक्त करने के लिए उत्सुक रहे। आज के कार्यक्रम में सचिन गुप्ता, मनीष पांडे, गोपाल गुप्ता, विक्रम सेठी, विकाश गुप्ता, अजय चौहान, आकाश, पंकज मिश्रा, अनिल चौधरी एवं राजेंद्र चौहान पब्लिक स्कूल वेलफेयर समिति महासचिव उत्तर प्रदेश आशा चौहान प्रधानाचार्य सवीदय विद्या मंदिर सदरपुर सेक्टर 45 नोएडा अध्यापिका सर्वेश सिंह, कामना चौबे, पूनम चौहान आदि स्थानीय लोग और अध्यापक उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद मुमताज आलम द्वारा जनता से सीधे संवाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा निर्दलीय लोकसभा चुनाव प्रत्याशी मुमताज आलम ने नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता की । उन्होंने शहर की पानी की सप्लाई करना पड़ रहा है। वहीं वर्षों का समय बीत जाने के बाद भी श्मशान की बाउंड्री नहीं कराई गई। हाईमास्ट लाइट व नल की व्यवस्था भी नहीं की गई। कुछ जनप्रतिनिधि को सम्मान देने वाले नेता को वोट देना चाहिए। गांव, सेक्टर में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। नेता ऐसा हो जैसे 90 के दशक में हुआ करते थे। चुनाव के दौरान वे तक पहुंचा सके। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। शासन और प्रशासन द्वारा गांव का विकास किया जाता है। नेता तो अपनी वाहवाही लूटते हैं। लोकसभा

को दुरुस्त करने, सार्वजनिक शौचालय सहित अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि गांव में जलापूर्ति तो हो रही है, लेकिन गंदा पानी आता है। शिकायत के बाद भी जलापूर्ति में सुधार नहीं हो रहा है। दूषित पानी पीने से बीमारी होने का खतरा रहता है। सीवर की लाइन आधे गांव में ही है। बाकी के लिए सर्वेक्षण होने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ। प्राधिकरण के अधिकारी बजट न होने का बहाना बताते हैं। नाली का पानी सड़क पर आने से गंदगी फैली रहती है। कई जगहों पर नाली भी टूट गई है। कई वर्षों पहले शहर और गांव के कुछ हिस्से में आरसीसी रोड का निर्माण किया गया था, जो अधूरा पड़ा है। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं है। किसानों को आवंटित किए गए 5 प्रतिशत आबादी भूखंड में जाने का रास्ता नहीं है। ऐसे में वहां पर मकान बनाकर रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना तो चुनाव जीतने के बाद गांव की तरफ झांकना भी जरूरी नहीं समझते। उनकी मांग है कि जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के बच्चों के लिए रोजगार की व्यवस्था की जाए। जमीन चली जाने से रोजगार की समस्या पैदा हो गई है। यहां स्थित कंपनियों में स्थानीय युवाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। चिकित्सा और शिक्षा पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। इस लोकसभा चुनाव में ऐसे जनप्रतिनिधि को वोट दें। जो युवाओं को शिक्षित बनाने के साथ-साथ उनके लिए रोजगार दिलाने का वादा करे। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। जिले में आंदोलन कर रहे किसानों की मांगों को पूरा करने वाले नेता को वोट दें। इस चुनाव में किसान विरोधी नेता का बहिष्कार किया जाएगा। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। जनप्रतिनिधि गांवों के विकास पर विशेष फोकस करे। बिना भेदभाव के राजनीति करने वाले और सभी जो बात कहते थे उसे पूरा भी करते थे। भरोसेमंद नेता को वोट दें। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। हमारा नेता ऐसा होना चाहिए जो युवा वर्ग की बात सुने, उनके लिए रोजगार की गारंटी दें और शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर काम करके दिखाए। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। चुनाव के समय लोगों के बीच में आने वाले नेता को नहीं चुनना चाहिए, हमेशा साथ खड़े रहने वाले जनप्रतिनिधि को आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। युवाओं को रोजगार दिलाने के झूठे वादे करने वाले नेता का बहिष्कार किया जाना चाहिए। जनता को बरगलाने और झूठे वादे करने वाले नेता को वोट नहीं दें। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। किसान-गरीबों की आवाज को सरकार तक पहुंचाने वाले नेता को वोट देंगे। जनप्रतिनिधि ऐसा होना चाहिए जो हमारी बात को सरकार चुनाव में अपने वादे पर खरे उतरने वाले को वोट दें। गांव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराएं। हमें ऐसा नेता चुनना चाहिए जो जरूरत पड़ने पर हमारे काम आ सके और दुख सुख में हमारी मदद करें। गांवों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल कराएं। प्रमुख मुद्दे और मांग साफ-सफाई की व्यवस्था में सुधार हो। सूखा, गीला कचरा के लिए डस्टबिन रखी जाए। प्रकाश व्यवस्था के लिए हाई मास्ट लाइट लगाई जाए। श्मशान में हाईमास्ट लाइट, बाउंड्रीवाल और नल की व्यवस्था की जाए। सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाए जमीन अधिग्रहण के बदले मिले आबादी भूखंडों में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। शिक्षा और चिकित्सा की अच्छी व्यवस्था की जाए। युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम किया जाए। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

करंट से किसान की मौत, ग्रामीणों ने लगाया गंभीर आरोप; मचा कोहराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ग्रामीणों ने बिजली विभाग कोन थाना क्षेत्र के चेरवाडीह गांव में शुक्रवार की सुबह टूटे विद्युत पासवान (44) इन दिनों प्रतिदिन महुआ बिनने भोर में घर से कुछ

पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में लगे हाईटेंशन तार पूरी तरह से जर्जर हो गया है जिससे आये दिन टूट कर गिरने से घटना हो रही है। इसके बाद भी जर्जर तार को नहीं बदला जा रहा है। सोनभद्र के तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। वह महुआ बीनने गया था। खेत मे तार टूटकर गिरा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चेरवाडीह गांव निवासी कपूरचंद दूरी पर खेत की ओर जाता था। शुक्रवार की भोर लगभग 4 बजे भी वह घर से निकला। रास्ते में पहले से हाइटेंशन तार टूट कर खेत में गिरा था। अंधेरा होने के कारण कपूरचंद को तार नहीं दिखा और उसका स्पर्श तार से हो गया। तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर मौत हो गई। महुआ बिनने वालों ने ग्राम प्रधान शारदा पासवान को सूचना दी। प्रधान ने मौके पर पहुंच कोन पुलिस को घटना की सूचना दिया। सूचना मिलते ही कोन पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम हेतु दुद्धी भेज दिया। इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत ने बताया कि शुक्रवार की भोर मे महुआ बिनने जा रहा कपूरचंद की मौत हाईटेंशन तार में प्रवाहित करंट से हुई है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मृतक कपूरचंद को पांच बच्चों में चार लडकी व एक लडका है। इसमें दो की शादी हो गई है।

हार्दिक पांड्या के खिलाफ बीसीसीआई ने लिया कड़ा एक्शन, मैच जीतने के बाद इस वजह से ठोका 12 लाख रुपए का जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर बीसीसीआई ने 12 लाख रुपए का जुर्माना ठोक दिया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली मुंबई इंडियंस की जीत के बाद हार्दिक पांड्या को बीसीसीआई ने ये सजा दी। मुल्लांपुर में खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस को स्लो ओवर रेट के चलते लाखों का जुर्माना लगाया गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुंबई की टीम तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पाई थी, जिस वजह से हार्दिक पांड्या के खिलाफ बीसीसीआई ने एक्शन लिया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर बीसीसीआई ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के बाद 12 लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। बीसीसीआई ने मुंबई इंडियंस के कप्तान को स्लो ओवर रेट के चलते ये सजा सुनाई। मुंबई इंडियंस की टीम तय समय के अनुसार 2 ओवर पीछे रही जिसकी वजह से टीम क कप्तान के खिलाफ बीसीसीआई ने ये एक्शन लिया। दरअसल, बीसीसीआई ने पंजाब किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस (इ्ख्र ने श्ध) के मैच क बाद एक रिलीज में कहा कि हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के कप्तान पर जुर्माना ठोका गया है, क्योंकि उनकी टीम तय समय पर पूरे ओवर नहीं फेंक सकी। चूंकि न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह मुंबई की टीम का सीजन का पहला अपराध था। पांड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया हैं। बता दें कि मुंबई

इंडियंस की टीम तय समय से 2 ओवर पीछे चल रही थी और इस वजह से टीम को 19वें और 20वें ओवर में एक अतिरिक्त फील्डर 30 गज के घेरे में रखना पड़ा था। हालांकि, इससे मुंबई को कोई नुकसान तो नहीं हुआ और मुंबई की टीम ने पंजाब किंग्स को 9 रन से हराकर मैच जीत लिया।ये मुंबई इंडियंस की मौजूदा सीजन में पहली गलती रही, जिसकी वजह से बीसीसीआई ने हार्दिक पांड्या पर 12 लाख रुपए का जुर्माना ठोका। अगर दूसरी बार मुंबई की टीम ये गलती करती है तो कप्तान हार्दिक पर 12 लाख की जगह 24 लाख रुपये का जुर्माना ठोका जाएगा। उनके अलावा बाकी खिलाड.ियों को भी दंड मिलेगा। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई इंडियंस की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 192 रन का स्कोर खड़ा किया। मुंबई टीम की तरफ से रोहित शर्मा के बल्ले से 36 रन निकले। सूर्यकुमार यादव का मुल्लांपुर में तूफान आया, जिन्होंने 53 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। तिलक वर्मा ने मैच में नाबाद 34 रन बनाए। इसके जवाब में 193 रन का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही। पंजाब की टीम के लगातार विकेट गिरते चले गए और टीम की तरफ से शशांक सिंह ने 41 और आशुतोष शर्मा ने 61 रन बनाए।

बारिश की भेंट चढ़ा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टी20आई मैच, फैंस के हाथ लगी निराशा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बारिश की भेंट

चढ़ गया। शाम से शुरू हुई बारिश फैंस की लाख मनन्तों के बाद रूकी और अंपायर्स ने पांच-पांच ओवर का मैच निर्धारित किया। हालांकि, पहले ओवर की दूसरी गेंद ही हुई थी कि फिर बारिश आ गई और रेफरी ने मैच रद्द कर दिया। रावलपिंडी में आयोजित पहले टी20 के पांच-पांच ओवर के मैच में रावलपिंडी में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टिम रॉबिन्सन और टिम सीफर्ट सलामी जोड़ी के रूप में मैदान पर पहुंचे। शाहीन ने आक्रामण की बागडोर संभाली। शाहीन की पहली गेंद पर बाई के रूप में दो रन बने। हालांकि दूसरी ही गेंद पर शाहीन ने विकेट हासिल किया। रावलपिंडी में आयोजित पहले टी20 के पांच-पांच ओवर के मैच में रावलपिंडी में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टिम रॉबिन्सन और टिम सीफर्ट सलामी जोड़ी के रूप में मैदान पर पहुंचे। शाहीन ने आक्रामण की बागडोर संभाली। शाहीन की पहली गेंद पर बाई के रूप में दो रन बने दूसरी गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी ने टिम रॉबिन्सन को क्लीन बोल्ड कर न्यजीलैंड को पहला झटका दिया। इसके बाद फैंस की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब फिर से बारिश होने लगी। इसके बाद मैच रेफरी ने मैच रद्द करने की घोषणा कर दी। न्यूजीलैंड (प्लेइंग इलेवन): टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), टिम रॉबिन्सन, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जोश क्लार्कसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सीयर्स, बेन लिस्टर पाकिस्तान (प्लेइंग इलेवन): बाबर आजम (कप्तान), सईम अयूब, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), उस्मान खान, इफ्तिखार अहमद, इरफान खान, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, मोहम्मद आमिर, अबरार अहमद।

हेली मैथ्यूज के आगे बेबस दिखा पाकिस्तान, पहले बल्ले से फिर गेंद से किया कमाल; पाक टीम को थमाई 113 रन से हार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान महिला टीम और वेस्टइंडीज की महिला टीम के बीच कराची में पहला वनडे खेला गया। मेहमान टीम ने मेजबान देश को 113 रन से करारी शिकस्त दी। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी टीम को आगे बढ़ाया। टीम को दूसरा झटका कैंपबेल के रूप में लगा। वह 45 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, दूसरे छोर से कप्तान का बल्ला रन उगलता रहा। हेली मैथ्यूज अंत तक नाबाद रहीं और 150 गेंद पर नाबाद 140 रन की पारी खेली।

करते हुए 269 रन का स्कोर बोर्ड पर लगाया। पाकिस्तान की पूरी टीम 156 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान हेली मैथ्यूज ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तानी गेंदबाजों की खूब पिटाई की। मैथ्यूज ने 150 गेंद पर नाबाद 140 रन की पारी खेली। इसके बाद गेंदबाजी में भी कहर बरपाया। हेली मैथ्यूज ने तीन पाकिस्तानी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। पहले वनडे मैच में मेहमान टीम ने 113 रन से जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 1 के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। इसके बाद कैंपबेल साथ मिलकर अपनी इस पारी के दौरान 15 चौके और एक छक्का लगाया। चिनेल हेनरी ने 23 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की तरफ से सादिया इकबाल और तूबा हसन ने दो-दो विकेट लिए। नाशरा और निदा डार को एक-एक विकेट मिला। वेस्टइंडीज के दिए 270 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान शुरुआत से लड़खड़ा गई। सिदरा अमीन 1 रन बनाकर आउट हुईं। अनुभवी बल्लेबाज बिस्माह मारूफ केवल 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। कप्तान निदा डार ने 19 और आलिया रियाज ने 16 रन की पारी खेली। अंत में नाजिहा अल्वी (20) और तूबा हसन (25) ने लड़ाई लड़ी। हालांकि, टीम को जीत नहीं दिला सकीं। पाकिस्तान की पूरी टीम हेली मैथ्यूज के आगे बेबस नजर आई। हेली ने पहले बल्लेबाजी में तूफानी पारी खेली तो इसके बाद गेंदबाजी में दमदार प्रदर्शन किया।

आशुतोष शर्मा ने 10 साल की उम्र में छोड़ा था घर, झेलीं मुश्किलें; अब 20 लाख का खिलाड़ी जीत रहा फैंस का दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्म संजू का 'कर हर मैदान फतेह ओ बंदेया' आशुतोष शर्मा पर सटीक बैठता है। आईपीएल में स्टार बल्लेबाज बनने से पहले आशुतोष शर्मा के जीवन में बहुत उतार चढ़ाव आए। पहली हाफ सेंचुरी जड़ी। आशुतोष शर्मा मध्य प्रदेश के शहर रतलाम से संबंध रखते हैं। वह मात्र आठ साल की उम्र में इंदौर आ गए थे। यहां उनका जीवन कठिनाइयों से भरा रहा। 10 साल की उम्र से ही वह खुद से खाना बनाते थे, खुद चयनकर्ताओं ने आशुतोष पर अपना पूरा भरोसा जताया और उनकी काफी मदद की। आज पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करके खूब सुखिर्यां बटोर रहे हैं। पंजाब किंग्स ने मिनी ऑक्शन में आशुतोष को 20 लाख रुपये में

बचपन से लेकर और रेलवे में जॉब मिलने से पहले आशुतोष का जीवन कठिनाइर्यो भरा रहा है। उन अंधरों की गहराइयों से निकल आशुतोष ने अपनी मेहनत की रोशनी से अपना जीवन रौशन कर लिया है। आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी जड़कर फैंस का दिल जीत लिया है। आशुतोष शर्मा मध्यप्रदेश के छोटे से शहर रतलाम में जन्मे और इंदौर में उन्होंने पढ़ाई-लिखाई की। आशुतोष लाइमलाइट में साल 2023 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के जरिए आए। ग्रुप स्टेज मैच में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ आशुतोष ने 11 गेंद पर हाफ सेंचुरी जड़ी जो टी20 में भारतीय बैटर द्वारा सबसे तेज फिफ्टी रही। मुंबई के खिलाफ आईपीएल में अपनी कपड़े धोते थे। कई बार आशुतोष के पास पैसे नहीं होते थे तो उन्हें अंपायरिंग करके पैसे कमाने पड़ते थे, जिससे कम से कम से कम एक समय के खाने का जुगाड़ हो जाता था, लेकिन किस्मत तब पल्टी जब एकेडमी में पूर्व भारतीय क्रिकेटर अमय खुरसिया का साथ मिला। आशुतोष शर्मा का संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ था। 2018 में आशुतोष ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मध?य प्रदेश के लिए डेब्यू किया। अगले सीजन एमपी के लिए अपने आखिरी टी20 मैच में उन्होंने 84 रन बनाए। 2020 में अंडर-23 में दो शतक लगाए। इसके बावजूद उन्हें कई बार टीम में अंदर-बाहर किया गया। उन्होंने रेलवेज में जाने की सोची। रेलवेज में कोच और खरीदा था। पंजाब के लिए अभी तक खेले चार मैच में आशुतोष ने 17 गेंद पर 31, 15 गेंद पर नाबाद 33, 16 गेंद पर 31 और मुंबई के खिलाफ 28 गेंद पर 61 रन की ताड़तोड़ पारी खेली है। मुंबई के खिलाफ वह मैच तो नहीं जिता पाए, लेकिन फैंस का दिल जरूर जीत ले गए।

रोहित शर्मा ने तोड़ा कीरोन पोलार्ड का बड़ा रिकॉर्ड, मुंबई इंडियंस के लिए यह कमाल करने वाले बने पहले बल्लेबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल के 33वें मुकाबले में गुरुवार को पंजाब किंग्स के सामने मुंबई इंडियंस है। मैदान पर उतरते ही रोहित खिलाड़ी बने। रोहित ने मुंबई के लिए 224 सिक्स लगाए हैं। रोहित ने कीरोन पोलार्ड को पीछा छोड़ा। कुल मिलाकर रोहित के नाम आईपीएल में 275 छक्के हैं। सर्वाधिक 223 सिक्स लगाए थे। हार्दिक पांड्या ने 104 सिक्स लगाए हैं। चौथे नंबर पर मौजूद ईशान किशन ने 103 तो पांचवें नंबर पर मौजूद सूर्यकुमार यादव

आईपीएल में 250 मैच खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। वहीं, बल्लेबाजी करते हुए कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह एमआई के लिए सर्वाधिक सिक्स लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। पंबाज के खिलाफ रोहित ने 25 गेंद पर 36 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए सर्वाधिक छक्के लगाने वाले पहले आईपीएल में सर्वाधिक छक्के लगाने की सूची में क्रिस गेल के बाद दूसरे स्थान पर है। गेल के नाम पर 357 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए सर्वाधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने। रोहित ने मुंबई के लिए 224 सिक्स लगाए हैं। रोहित ने कीरोन पोलार्ड को पीछा छोड़ा। रोहित से पहले कीरोन पोलार्ड ने मुंबई के लिए ने 98 सिक्स जड़े हैं। कुल मिलाकर रोहित के नाम आईपीएल में 275 छक्के हैं। उन्होंने आईपीएल के पहले तीन सीजन में अब बंद हो चुकी डेक्कन चार्जर्स के लिए खेला था। सलामी बल्लेबाज लीग में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड.ियों की सूची में क्रिस गेल के बाद दूसरे स्थान पर है, जिनके नाम पर 357 छक्के हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स 'जीत तो जीत होती है पंजाब को रौंदकर हार्दिक पांड्या हुए खुश, धवन की टीम के इस प्लेयर की दिल खोलकर की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 33वें मैच में मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स दी और मौजूदा सीजन की तीसरी जीत हासिल की। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत के बाद मुंबई बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या खुश दिखे। उन्होंने पंजाब टीम के प्लेयर आशुतोष शर्मा की

को 9 रन से धूल चटाई। यह मौजूदा सीजन में हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस की तीसरी जीत रही। इस तरह मुंबई की टीम ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा। पंजाब किंग्स के आशुतोष शर्मा की 61 रन की पारी पर जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी भारी पड़ी। आईपीएल 2024 के 33वें मैच में मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को 9 रन से पटखनी इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या काफी खुश नजर आए। मैच में पहले बैटिंग करते हुए मुंबई की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 197 रनों का स्कोर बनाया। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 19.1 ओवर में महज 183 रन ही बना सकी। इस तरह रोमांचक मैच को मुंबई इंडियंस ने 9 रन से अपने नाम किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत के जमकर तारीफ भी की दरअसल, पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि ये काफी अच्छा गेम रहा। हर किसी की नर्व टेस्ट हुई। हमने मैच शुरू होने से पहले बातचीत की थी कि ये मैच हमारे करैक्टर को परखेगा। आमतौर पर आप सोचते है कि हम गेम में आगे है, लेकिन हर कोई जानता है कि आईपीएल में क्या होता है। इस तरह के शानदार फिनिशिंग देखने को मिलती है। आशुतोष शर्मा जिन्होंने मैच में ताबड़तोड़ बैटिंग की और उन्होंने लगभग सारी गेंदों को अपने बैट से हिट किया। मैं उनके लिए खुश हूं और उनके भविष्य के लिए भी। हार्दिक ने आगे कहा कि मैंने टाइम आउट के दौरान खिलाड.ियों से कहा था कि इसका मतलब नहीं कि आप गेम में कितने आगे लग रहे हैं, आपको अपनी लय पर पकड़ने बनाने की जरूरत होती है। अगर बात करें मैच की तो पहले बैटिंग करते हुए मुंबई इंडियंस की तरफ से रोहित शर्मा के बल्ले से 36 रन निकले। सूर्यकुमार यादव ने मैच में 53 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। तिलक वर्मा ने नाबाद 34 रन बनाए। इस तरह मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 192 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम शुरुआत बेहद खराब रही। लगातार विकेट गिरने के बाद शशांक सिंह ने पारी को संभाला। उनके अलावा आशुतोष शर्मा ने अंत में टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाने में मदद की। शशांक ने 25 गेंदों पर 41 रन और आशुतोष ने 28 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली।

सम्पादकीय

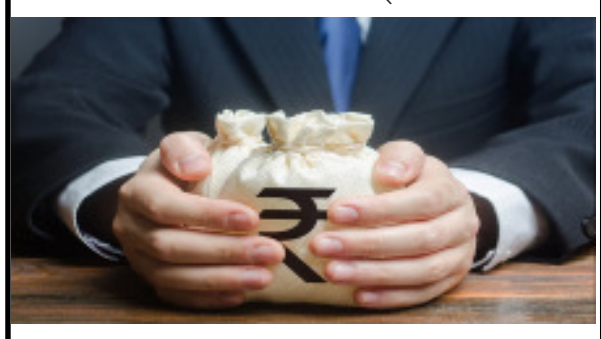

कमाई से ज्यादा जरूरी है खर्च का हिसाब-किताब, खत्म हो रही बजट बनाने की अवधारणा

एक समय था जब लोग मासिक खर्चों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं का प्रबंधन करने के लिए बजट बनाते थे। अब यह अवधारणा खत्म हो रही है। ईंधन की कीमतें कुछ हफ्तों में बदल रही हैं। घर पर बिजली की खपत इस बात पर निर्भर कर रही है कि आपने कितने दिन घर पर बिताए या काम पर गए। अब बजट बनाकर वित्तीय जीवन जीना कठिन है।आजकल के युवा अक्सर सोचते हैं कि हम जितना वेतन घर ले जाते हैं, उससे कहीं अधिक कमाते हैं। हकीकत में यह ठीक उल्टा है। आप जितना कमाते हैं, उससे कम घर ले आते

हैं। यह आपको तब पता चलेगा, जब आप अपने बैंक खाते, खर्च और अन्य का हिसाब-किताब करेंगे। कुछ हफ्ते पहले मुझे एक स्टार्टअप में 15 युवाओं से बातचीत का मौका मिला। 20 साल की उम्र में उनमें कुछ ऐसा आत्मविश्वास था, जो उनकी उम्र में मुझमें नहीं था। यह उनकी मानव संसाधन टीम की ओर से आयोजित एक सत्र था, जिसमें महसूस किया गया कि कर्मचारियों को बचत और निवेश के तरीकों के बारे में समझना चाहिए। लड़कियों में से एक ने खुलकर बात की और बताया कि महीने के अंत तक उसके पास निवेश के जितने पैसे नहीं बचेंगे। उसके माता-पिता उसे अक्सर याद दिलाते रहते थे कि उसने ठीक से बचत नहीं की है। वह प्रति माह लगभग एक लाख रुपये कमाती थी। बाकी लोगों का भी यही हाल था। जब उनके खर्चों के बारे में मैंने पता किया तो उन्होंने वास्तव में कभी अपने खर्चों पर नजर नहीं रखी है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके फोन में उबर, स्विगी, अमेजन आदि जैसे एप हैं? उन सभी ने हां में सर हिलाया और फिर दर्जनों ऐप दिखाए जिनसे वे खाने, कपड़े, कैब और न जाने क्या-क्या ऑर्डर करते थे। फिर मैंने उस लड़की से पूछा कि क्या उसने कभी अपने बैंकिंग एप के माध्यम से अपना बैंक विवरण चेक किया है। उसका जवाब था...नहीं।?एक समय था जब लोग मासिक खर्चों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं का प्रबंधन करने के लिए बजट बनाते थे। अब यह अवधारणा खत्म हो रही है। ईंधन की कीमतें कुछ हफ्तों में बदल रही हैं। घर पर बिजली की खपत इस बात पर निर्भर कर रही है कि आपने कितने दिन घर पर बिताए या काम पर गए। अब बजट बनाकर वित्तीय जीवन जीना कठिन है। फिर भी बचत और खर्चों की जांच जरूरी है।यदि कोई मासिक सैलरी पाने वाला अपने माता-पिता के साथ रहता है तो उसे कुल आय का 25-35 फीसदी निवेश के लिए बचाना चाहिए। यदि वे अकेले रह रहे हैं तो लगभग 15-25ज्ञ् बचाएं। भोजन, किराया, किराने के सामान और ऐसी ही अन्य चीजों पर खर्च आपकी आय के 45-50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। 20-25ज्ञ् की बचत करनी चाहिए। कमाई का 35-40 फीसदी हिस्सा कर देनदारी चुकाने और गैजेट जैसी वस्तुओं पर खर्च कर सकते हैं। वेतनभोगी अक्सर यही सोचते हैं कि वे बताई गई आय के जितना ही कमाते हैं। यह सच नहीं है, क्योंकि अगर कॉस्ट-टू-कंपनी (सीटीसी) 12 लाख रुपये सालाना यानी प्रति माह एक लाख?रुपये है तो वास्तव में आपकी सैलरी मासिक 70,000 और 80,000 रुपये के बीच होती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कंपनी इसमें से टैक्स काटने के साथ?पीएफ में निवेश करती है। अगर हम वेतन की गणना करें तो आपके अनुमानित वेतन का कुल ढाई से 3 महीने का वेतन आपके पास नहीं आता है। सैलरी पाने वाले लोग अमूमन सालाना सैलरी का 3 महीने की सैलरी टैक्स और दूसरे योगदान में देते हैं। इसके विपरीत, एक बिजनेसमैन खर्चों के बाद कुल आय पर टैक्स चुकाता है, जबकि एक वेतनभोगी को पहले ही टैक्स काट कर पैसा मिलता है। फिर वे हर चीज पर जीएसटी भी देते हैं। जब मैं उनको यह समझाने में कामयाब रहा कि उनके हाथ में जितनी वास्तविक सैलरी आ रही है, वे उससे कहीं ज्यादा खर्च कर रहे है तो उनमें से कुछ ने तो एचआर पर भड़ास निकालनी शुरू कर दी। हालांकि, ये सभी डिटेल्स उनकी सैलरी स्लिप में होती है।

लगातार बना रहा नया रिकॉर्ड सोना, जनवरी से अब तक 14.75 फीसदी की आई तेजी

जनवरी, 2024 से अब तक सोने में तेजी की कई वजहें हैं। दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने जनवरी-फरवरी में 64 टन सोने की खरीदारी की। चीन ने फरवरी में अपना स्वर्ण भंडार 12 टन बढ़ाया है। आरबीआई ने जनवरी में 8.7 टन सोने की खरीदारी की, जो दो साल में सर्वाधिक है।सोना लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। इस साल जनवरी से अब तक इसकी कीमतों में 14.75 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। एक जनवरी, 2024 को सोना 63,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि 12 अप्रैल को यह 73,350 रुपये के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निवेश के लिहाज से सुरक्षित सोना पिछले चार कारोबारी सत्रों में 1,700 रुपये महंगा हो चुका है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया ने बताया, वैश्विक हालात को देखते हुए सोने में तेजी बने रहने की उम्मीद है। यह इस साल 20 फीसदी से अधिक रिटर्न दे सकता है। हालांकि, जोखिम भी बना हुआ है। 2023-24 में सोने ने 18 फीसदी रिटर्न दिया था। छू सकता है 80,000 का स्तर केडिया का कहना है कि युद्ध के दौरान सोने में हमेशा तेजी आती है। रूस-यूक्रेन और इस्राइल-हमास के बाद अब ईरान-इस्राइल के बीच तनाव का माहौल है। अगर इस युद्ध में मिडिल ईस्ट के देश पूरी तरह शामिल होते हैं और तनाव लंबी अवधि तक जारी रहता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना इस साल के अंत तक 2,700 डॉलर प्रति औंस पहुंच सकता है, जबकि घरेलू बाजार में यह 80,000 का स्तर छू सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना इस समय 2,388 डॉलर प्रति औंस के करीब है।जनवरी, 2024 से अब तक सोने में तेजी की कई वजहें हैं। दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने जनवरी-फरवरी में 64 टन सोने की खरीदारी की।

अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते दक्षिण के क्षेत्रीय दल, विरोध को हवा दे रही कांग्रेस

जिस कांग्रेस ने कभी हिंदी को प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था, अब वही भाषायी लोकतंत्र के नाम पर इसके विरोध को हवा दे रही है।चुनावी अभियान के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। जब प्रचार तमिलनाडु जैसे राज्य में हो, तो भाषा अपने आप मुद्दा बन जाती है। चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस बयान की शिकायत चुनाव आयोग से की है।वैसे राहुल गांधी कांग्रेस के पहले नेता नहीं हैं, जिन्होंने भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया है। केरल के तिरूवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे शशि थरूर भी चुनाव प्रचार में भाजपा पर ऐसे आरोप लगा चुके हैं। हालांकि उनके बयान को उतनी तवज्जो नहीं मिली, क्योंकि केरल में हिंदी को लेकर तमिलनाडु जैसा माहौल नहीं रहा है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध में पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों में आंदोलन तक हो चुका है, लेकिन केरल में ऐसा नहीं है। चाहे राहुल हों या शशि थरूर, दोनों के बयानों का एकमात्र मकसद यही है कि वे अपने वोटरों को इस आधार पर अपने समर्थन में खड़ा करें और उनका मत हासिल करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे विभाजनकारी बयानों की चुनाव में जरूरत है?भारत की राजभाषा या राष्ट्रभाषा हिंदी हो, इसके खिलाफ पहला सवाल तमिलनाडु से ही उठा। तमिल विरोध के चलते संविधान के प्रावधान में हिंदी को जो हैसियत 26 जनवरी, 1965 को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई। तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की वजह से हिंदी देश की आधिकारिक रूप से संपर्क भाषा भी नहीं बन पाई। लेकिन तब से लेकर अब तक कावेरी और कृष्णा नदियों में काफी पानी बह चुका है। राजनीतिक बुनियाद पर भले ही दक्षिणी राज्यों में सीमित हिंदी विरोधी मानसिकता बची हुई हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब दक्षिणी राज्यों की सोच भी बदल रही है। अगर ऐसा नहीं होता, तो टूटी-फूटी ही सही, दक्षिणी राज्यों में भी हिंदी लिखने-बोलने की कोशिश नहीं होती। हिंदी सिनेमा के गाने दक्षिणी राज्यों में पसंद नहीं किए जाते। हिंदी की राह में सबसे बड़ी बाधा राजनीति रही है। अपने फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए वही स्थानीय लोकभावनाओं को कभी पक्ष, तो कभी विपक्ष में भड़काती है। महात्मा गांधी का सपना था कि आजाद भारत की अपनी भाषा हो, वह केंद्रीय भाषा बने। गुजरातीभाषी होते हुए भी उन्हें हिंदी में ही यह ताकत और संभावना नजर आई। लेकिन स्वाधीन भारत के राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हिंदी आधिकारिक रूप से केंद्रीय भाषा नहीं बन पाई। राजनीति ने हिंदी विरोध के लिए अब नया बहाना ढूंढ़ लिया है। बहुभाषिकता और भाषायी लोकतंत्र को बनाए रखने के नाम पर उसका विरोध किया जाता है। दिलचस्प है कि केंद्रीय भाषा के तौर पर विदेशी भाषा तो स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपनी हिंदी नहीं। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक हिंदी की घोषित विरोधी है। जब भी उसे मौका मिलता है, हिंदी विरोध में अपनी आवाज मुखर करने से वह नहीं हिचकती। जब नई शिक्षा नीति लागू हो रही थी, तब भी उसने आरोप लगाया था कि हिंदी को थोपने की कोशिश की जा रही है। द्रमुक इंडिया गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है। लेकिन गौर किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में जब प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह या फिर योगी आदित्यनाथ प्रचार में उतरते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं। उनके भाषणों का तमिल में अनुवाद होता है। अगर तमिल जनता हिंदी विरोधी होती, तो वह धैर्य से इन नेताओं का भाषण नहीं सुनती। लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि तमिल लोगों ने इन नेताओं के हिंदी भाषणों में अरुचि दिखाई हो। साफ है कि हिंदी को लेकर दक्षिण का लोकमानस बदल रहा है, अगर नहीं बदल रही है, तो वह है राजनीति। हालांकि कांग्रेस तर्क दे सकती है कि एक भाषा थोपने की उसके नेताओं की बात के पीछे हिंदी विरोध नहीं है। लेकिन केंद्रीय भाषा के रूप में एक भाषा का मतलब स्वतंत्र भारत में हिंदी ही है। ऐसे बयानों से राजनीतिक फायदा जो भी हो, भाषायी मानस का नुकसान होता है।

ईरान-इस्राइल टकराव से कई मुल्कों पर असर लाजिमी, तेल की कीमतों में लगेगी आग

ईरान-इस्राइल युद्ध की खबर से न तो पाकिस्तान के आम लोगों में कोई चिंता दिखी और न ही पाकिस्तानी हुकूमत ने कोई प्रतिक्रिया जताई, जबकि पड़ोस में युद्ध से पाकिस्तान ही नहीं, अन्य मुल्कों पर भी असर पड़ना लाजिमी है। खासकर तेल की कीमतें तो आसमान छूने लगेंगी।पिछले रविवार को जैसे ही पाकिस्तान के लोग जगे, उन्हें यही खबर मिली कि ईरान ने इस्राइल पर हवाई हमला कर दिया है और सैन्य अभियान अब भी जारी है। मेरी तत्काल प्रतिक्रिया थी कि इस्राइल भी पलटवार करेगा और इस क्षेत्र में एक नया युद्ध शुरू होने जा रहा है। ईरान और इस्राइल के बीच स्थित कई अरब देश भी इससे प्रभावित होंगे। हालांकि पिछले रविवार पाकिस्तान की सड़कों पर जीवन सामान्य था और आम लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि ईरान ने युद्ध की घोषणा कर दी है। जो लोग टीवी देख रहे थे, केवल वही इस खबर में दिलचस्पी ले रहे थे, अन्यथा किसी को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यहां तक कि पाकिस्तान की हुकूमत भी चुप थी। हालांकि पाकिस्तान में एक्स (ट्विटर) पर प्रतिबंध है, अधिकांश लोग इसे एक्सेस करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार की तरफ से भी इस पर कोई बयान नहीं आया, विदेश मंत्री का भी नहीं। मैंने ट्वीट करके प्रधानमंत्री को आपातकालीन सुरक्षा बैठक बुलाने के लिए कहा, क्योंकि स्थिति बहुत अप्रत्याशित थी और यह युद्ध किसी भी दिशा में जा सकता था। हालांकि दुनिया की कई सरकारें एक-दूसरे तथा ईरान और इस्राइल के संपर्क में थीं, लेकिन पाकिस्तान के मंत्री एवं अधिकारी बिल्कुल शांत थे। अन्य मुल्कों की तरह पाकिस्तान में तेल बहुत महंगा है और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की पहुंच से बाहर है। इसलिए मेरा पहला विचार यही था कि अगर पड़ोस में युद्ध होता है, तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। पड़ोस में युद्ध पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। हममें से कई लोग भारत के साथ युद्ध से गुजर चुके हैं और अफगानिस्तान भी कभी शांत नहीं रहा है। इसलिए अब दूसरे पड़ोसी ईरान को युद्ध में शामिल होते और इसके प्रभाव को पसरते देखना डरावना था। लंबी और साझी सीमा के साथ ईरान पाकिस्तान का निकट पड़ोसी है। कभी-कभी दोनों तरफ के आतंकवादी हमले करते हैं और पाकिस्तान-ईरान सीमा पर तस्करों के साथ झड़पें होती हैं, लेकिन आम तौर पर स्थानीय प्रशासन इससे निपटता है। सीमा पर विशेष रूप से पेट्रोल की तस्करी आम बात है और ऊपर से लेकर नीचे तक के अधिकारियों की इसमें मिलीभगत होती है और यह लगातार उनकी नाक के नीचे होता है। व्यवसायी अक्सर शिकायत करते हैं कि ईरान से होने वाली तस्करी उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचा रही है, लेकिन सरकार उस पर कोई ध्यान नहीं देती। एक बार सरकार ने घोषणा की कि वह तस्करी को बर्दाश्त नहीं करेगी और उससे कठोरता से निपटेगी। इससे थोड़े समय के लिए तस्करी पर विराम लगा, लेकिन क्वेटा के दुकानदारों ने ईरानी दरी की कीमत बढ़ा दी। उनकी शिकायत थी कि इन दरियों की भारी मांग है, लेकिन सीमा पार से दरियां नहीं आती हैं, इसलिए कीमत बढ़ गई है। लेकिन तस्करी सौ फीसदी कभी नहीं रुकी और अब भी जारी है। कुछ समय पहले ईरान ने बलूचिस्तान के भीतर हवाई हमले करके दुनिया को चौंका दिया था। उसका आरोप था कि ईरान-विरोधी आतंकवादी गुट वहां रहते हैं। उसके बाद पाकिस्तान ने भी ईरान के इलाकों पर बमबारी की और दावा किया कि ईरान के भीतर पाकिस्तान-विरोधी आतंकी गुटों को सुरक्षित पनाह मिली हुई है। सवाल उठता है कि अगर पाकिस्तान और ईरान, दोनों जानते हैं कि उनकी जमीन पर आतंकवादी गुट हैं, तो उन्हें दोनों मुल्कों द्वारा संरक्षण क्यों दिया जाता है। क्या दोनों मुल्क उन्हें प्रॉक्सी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं? इससे दोनों मुल्कों के नागरिकों को बेहद खतरनाक और भ्रामक संदेश जाता है, जो एक-दूसरे को अपना मजबूत सहयोगी और मुस्लिम भाईचारे के हिस्से के रूप में देखते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक साथ खड़े हैं। खैर, दोनों पक्षों के पीछे हटने से समझदारी कायम हुई। ईरान ने कूटनीतिक रिश्ते की बहाली के लिए अपने विदेश मंत्री को पाकिस्तान भेजा। अब दोनों मुल्कों के रिश्ते बेहतर हैं और इसी महीने के अंत में ईरानी राष्ट्रपति पाकिस्तान के दौरे पर आने वाले हैं। इस्राइल पर ईरान के हमले ने, जिसमें अमेरिका, अन्य पश्चिमी देश एवं जॉर्डन इस्राइल की सहयता के लिए आगे आए, मुझे दो बातें याद दिला दीं। पहली, दुनिया भर के मुल्कों को आशंका थी कि ईरान सीरिया में अपने राजनयिक मिशन पर हमले और वरिष्ठ अधिकारियों की मौत का बदला लेगा, लेकिन शक्तिशाली वायु सेना का दावा करने वाला इस्राइल हमले से हैरान रह गया। अमेरिका के नेतृत्व में बाहरी शक्तियां उसकी मदद के लिए आगे आईं। पश्चिमी समर्थकों की मदद के बिना इस्राइल अपनी रक्षा करने में असमर्थ था और वहां जान-माल का भारी नुकसान होता। दिलचस्प है कि जब इस्राइल ने कूटनीतिक नियमों का उल्लंघन कर सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों ने उसकी आलोचना नहीं की, लेकिन जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई की, तो वे सभी ईरान की आलोचना करने लगे। दूसरी बात को इस हफ्ते पाकिस्तान दौरे पर आए सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अच्छी तरह से समझाया। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी बातें हैं, जिन पर बात करने में सबको शर्म आती है। दोनों विदेश मंत्रियों ने कहा कि जबसे इस्राइल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुआ है, इस्राइल ने 30 हजार से ज्यादा फलस्तीनियों की गाजा में हत्या कर दी है। उन्होंने पूछा कि जब इस्राइल ने गाजा में अस्पतालों, स्कूलों, खेल के मैदानों, आवासीय घरों पर बम गिराया, तो इस्राइल समर्थक पश्चिमी लॉबी ने उन्हीं तकनीकों से इस्राइल को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की, जिन तकनीकों से उन्होंने ईरानी हमले से इस्राइल को बचाया है? आप कल्पना कर सकते हैं कि ऐसा करने पर कितने सारे बच्चे बच जाते! सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने इस्राइल को तत्काल ईरान पर बमबारी करने से रोका और उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि इस्राइल ईरान पर हमला करता है, तो अमेरिका समर्थन नहीं करेगा। लेकिन क्या इस्राइल ईरान पर हमला करने से बाज आएगा? सऊदी विदेश मंत्री ने कहा, 'हम एक अस्थिर क्षेत्र में रहते हैं। यह क्षेत्र गाजा की मानवीय आपदा का दंश झेल रहा है और हमें और संघर्ष की आवश्यकता नहीं है, हम और टकराव नहीं चाहते।'

संक्षिप्त समाचार

आरबीआई के निशाने पर आए ये पांच बैंक, कई नियमों के उल्लंघन को लेकर लगाया लाखों रुपये का जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने अलग-अलग रेगुलेटरी नॉर्म के उल्लंघन के लिए पांच सहकारी बैंकों पर कुल 60.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने जिन सहकारी बैंक पर जुर्माना लगाया है उनमें राजकोट नागरिक सहकारी बैंक, द कांगड़ा को-

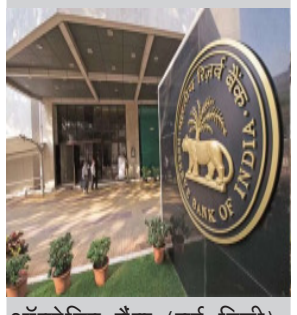

ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ), जिला सहकारी बैंक, गढ़वाल और जिला सहकारी बैंक, देहरादून शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने राजकोट नागरिक सहकारी बैंक द कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली) राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ) जिला सहकारी बैंक गढ़वाल और जिला सहकारी बैंक देहरादून पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने इन पांचों बैंक पर कुल 60.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि सहकारी बैंकों पर अलग-अलग रेगुलेटरी नॉर्म के उल्लंघन के चलते पेनल्टी लगाई गई है। राजकोट नागरिक सहकारी बैंक पर 'निदेशकों और उनके रिश्तेदारों और जिन फर्मों/संस्थाओं में वे रुचि रखते हैं उन्हें लाभ पहुंचाया है। बैंक पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने पर 43.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है सेंट्रल बैंक ने द कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), द कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ) और जिला सहकारी बैंक, गढ़वाल प्रत्येक बैंक पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही कंपनी जिला को-ऑपरेटिव बैंक देहरादून पर 2 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई है सहकारी बैंक पर जुर्माना लगाने की जानकारी देते हुए बताया कि इन बैंक पर पेनल्टी अलग-अलग रेगुलेटरी नियमों का पालन न करने के लिए लगाई कई है। इसके साथ ही इन पेनल्टी का उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने संबंधित ग्राहकों के साथ किए गए एग्रीमेंट या किसी भी लेनदेन की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

इन्फोसिस को चौथी तिमाही में 30% का जबरदस्त मुनाफा, जानिए कैसा रहा शेयर का हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना-प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस ने गुरुवार को बताया कि मार्च, 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में उसका समेकित लाभ 30 प्रतिशत बढ़कर 7,969 करोड़ रुपये हो गया। शेयर बाजार को

दी गई सूचना में कंपनी ने कहा कि एक साल पहले की समान अवधि में उसने 6,128 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। दिग्गज आईटी कंपनी एचडीएफसी ने चौथी तिमाही में बंपर मुनाफा कमाया है। शेयर मार्केट को जानकारी देते हुए कंपनी ने बताया कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़कर 7969 करोड़ रुपये हो गया है। इसके साथ ही उसका कुल राजस्व 1.3 प्रतिशत बढ़कर 37923 करोड़ रुपये हो गया। आज कंपनी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।इन्फोसिस का समेकित राजस्व 1.3 बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 37,441 करोड़ रुपये था। कंपनी को अगले वित्त वर्ष में एक से तीन प्रतिशत की राजस्व वृद्धि की उम्मीद है। पूरे वित्त वर्ष में हुए शुद्ध लाभ की बात करें तो यह 26,233 करोड़ रुपये रहा।

'जल, थल और वायु क्षेत्रों पर अपना प्रभाव डालेगा अंतरिक्ष'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि युद्ध के लिहाज से भविष्य में अंतरिक्ष क्षेत्र वायु, समुद्री और थल क्षेत्रों पर अपना प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब इस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत दुनिया में प्रमुख सेवा प्रदाताओं में से एक के रूप में उभरेगा। कुछ साल पहले तक जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी, अब वो हो रहा है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि युद्ध के लिहाज से भविष्य में अंतरिक्ष क्षेत्र वायु समुद्री और थल क्षेत्रों पर अपना प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब इस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत दुनिया में प्रमुख सेवा प्रदाताओं में से एक के रूप में उभरेगा। कुछ साल पहले तक जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी अब वो हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में कई अच्छे स्टार्टअप हैं जो रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में बेहतरीन काम कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अंतरिक्ष कूटनीति जल्द ही वास्तविकता बन जाएगी। वे गुरुवार को दिल्ली के मानेकशा सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रसारित रिकार्डेड वीडियो संबोधन में जनरल चौहान ने भविष्य के युद्ध में अंतरिक्ष की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष को निर्णायक मोर्चा कहा जाता है। अंतरिक्ष का विस्तार अनंत है। अन्य सभी सीमाओं की तरह इसकी सीमा को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना मुश्किल है। अंतरिक्ष के रहस्य को समझने के लिए मानव जाति को अभी लंबा रास्ता तय करना है। भारत उस यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है। उन्होंने भारत के गगनयान कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण ले रहे चार अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में भी बात की। जनरल चौहान ने कहा कि अंतरिक्ष को युद्ध के उभरते हुए क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। मेरा मानना है कि यह पहले से ही युद्ध का एक स्थापित क्षेत्र है। मेरा विश्वास इस विशेष क्षेत्र में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम पर आधारित है।

खतरनाक नस्ल के कुत्तों की बिक्री पर रोक के लिए जारी होगी नई अधिसूचना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कुत्तों की कई खतरनाक नस्लों के आयात, प्रजनन और बिक्री पर रोक के संबंध में केंद्र सरकार नई

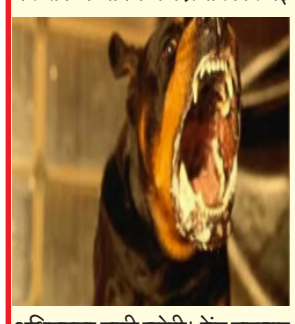

अधिसूचना जारी करेगी। केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने 12 मार्च को जारी अधिसूचना को रद्द कर दिया।कुत्तों की कई खतरनाक नस्लों के आयात प्रजनन और बिक्री पर रोक के संबंध में केंद्र सरकार नई अधिसूचना जारी करेगी। केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने 12 मार्च को जारी अधिसूचना को रद्द कर दिया।सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि यदि नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया जाए तो पूर्व अधिसूचना को रद्द करने में कोई आपत्ति नहीं है।कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक कुत्ते के मालिक को मौखिक सुनवाई का मौका देना संभव नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के साथ ही मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रस्तावित या मसौदा अधिसूचना पर लिखित आपत्तियां आमंत्रित करते हुए दो सप्ताह के अंदर एक सार्वजनिक नोटिस जारी करेगी।

आपके लिए कौन-सा प्लान है बेस्ट, यहां समझें अपने फायदे की बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। टर्म इंश्योरेंस प्लान और लाइफ इंश्योरेंस प्लान को लेकर ज्यादातर लोग दुविधा में रहते हैं कि कौन-सा प्लान लेना ज्यादा सही है। अगर आप भी इन दोनों प्लान में से अपने लिए एक बेहतर प्लान को नहीं चुन पा रहे हैं तो इन दोनों प्लान के बीच का अंतर समझ सकते हैं- इंश्योरेंस प्लान और लाइफ इंश्योरेंस प्लान को लेकर ज्यादातर लोग दुविधा में रहते हैं कि कौन-सा प्लान लेना ज्यादा सही है। अगर आप भी इन दोनों प्लान में से अपने लिए एक बेहतर प्लान को नहीं चुन पा रहे हैं तो इन दोनों प्लान के बीच का अंतर समझना जरूरी है। दोनों प्लान के बीच अंतर रिटर्न को लेकर देखा जाता है।टर्म इंश्योरेंस प्लान और लाइफ इंश्योरेंस प्लान के बीच अंतर समझने से पहले इन दोनों ही प्लान का मतलब जानना जरूरी है- टर्म इंश्योरेंस प्लान लाइफ इंश्योरेंस प्लान है। इस प्लान में एक तय समय के लिए कवर मिलता है। प्लान की अवधि के दौरान प्लान लेने वाले शख्स के साथ कोई बड़ी अनहोनी घट जाए तो परिवार के सदस्यों में नॉमिनी को पैसे मिलते हैं। यह एक तय और निश्चित राशि होती है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में हर साल प्रीमियम भरा जाता है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में मासिक, त्रैमासिक, छमाही या सालाना आधार पर प्रीमियम भरा जाता है। प्लान की अवधि खत्म होने के बाद इस प्लान में किसी तरह का कोई रिटर्न नहीं मिलता।

DURGAWATI
INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
Admission Open 2024-2025
प्रवेश प्रारम्भ 2024-2025

www.durgawatischool.com

ICSE Affiliation Code :- UP481

Facilities
High quality labs
Expert Teachers
Modern Facilities
Overall Development

NURSERY TO CLASS 12TH
Free Transport
0 to 3 KM

Contact:-9415017879, 7081152877, 8957282536
Champaran Estate, Gosaura Kala, Dorwa Road,
Meja Prayag raj, Uttar Pradesh, India

जब विद्या बालन को प्यार में मिला था धोखा ब्वॉयफ्रेंड की हरकत से पूरी तरह टूट गई थीं एक्ट्रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विद्या बालन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। फिल्म के प्रमोशन को लेकर विद्या बालन मीडिया में लगातार नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने एक्स ब्वॉयफ्रेंड के बारे में बात की, जिसके धोखे ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया था।विद्या बालन फिल्म दो और दो प्यार के साथ एक बार फिर स्क्रीन पर धमाल मचाने वाली हैं। एक्ट्रेस रिलीज से पहले फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस बीच उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की। विद्या बालन ने बताया कि प्यार में उन्हें धोखा मिला था और उस वक्त वो पूरी तरह टूट गई थीं।विद्या बालन हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। जहां उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ पर बात की। एक्ट्रेस इस दौरान रिलेशनशिप में धोखा देने वालों पर बात की।विद्या बालन ने बातचीत में कहा कि उनके जैसी खूबसूरत और सफल इंसान को कैसे धोखा दिया जा सकता है। फिल्म कम्पेनियन के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, ''जब कोई आपको धोखा देता है तो ये आपकी गलती नहीं होती है। ये असल में उनकी असलियत होती है। उस समय मुझे ये नहीं पता था। मेरी उम्र कम थी। मैं परेशान हो गई थी. दिल टूट गई थी और मैं बिखर गई थी।एक्ट्रेस ने आगे कहा, ठउस आप सोचते हैं, ओह क्या मैं अच्छी नहीं हूं ? ये कभी भी आपके बारे में नहीं होता।है, ये हमेशा धोखा देने वाले के बारे में बताता है और ये बताता है कि वो इंसान क्या ढूंढ रहा है। इससे अभी भी दिक्कत होती है।विद्या बालन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो एक्ट्रेस अगली बार प्रतीक गांधी के साथ दो और दो प्यार में नजर आएंगी। ये एक रॉम-कॉम फिल्म है। फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी के बारे में है, जिसका प्यार खत्म हो गया है और दोनों का अलग-अलग लोगों के साथ अफेयर चल रहा है। हालांकि, एक छुट्टी उन्हें फिर से करीब लाती है और अब कपल की परेशानी ये है कि जिन लोगों के साथ उनका अफेयर चल रहा है, उन्हें इस बारे में कैसे बताया जाए।

पहले मतदान, फिर कोई काम,तनिशा मुखर्जी ने देश की जनता से की वोटिंग के लिए खास अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकतंत्र के पर्व का उत्साह हर देशवासी की तरह अभिनेत्री तनिशा मुखर्जी भी महसूस करती हैं। वह कहती हैं कि मतदान करना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है, जिसे सोच-समझ कर निभाना जरूरी है देश में आने वाले समय में लोकसभा चुनाव शुरू होने वाले हैं। इस आम चुनावों को लेकर हिंदी सिनेमा के जगत के तमाम फिल्मी सितारे बढ़कर प्रचार कर रहे हैं। अब इस मामले में एक्ट्रेस ऊँर्हेर्ंी शुिवरग् का नाम शामिल हो रहा है। उन्होंने देश की जनता से वोटिंग अपील की है। हाल ही में तनिशा की फिल्म लव यू शंकर रिलीज हुई है।वहीं मतदान को लेकर तनीषा ने कहा कि 20 मई को मुंबई में मतदान होगा। मैं सुबह ही मतदान करने जाऊंगी, उसके बाद ही शूटिंग पर निकलूंगी। उस दिन कोई काम बाद में, पहले मतदान। देश की प्रगति में योगदान देना है तो मतदान ही वह मौका होता है। अगर आप वोट करने नहीं जाते हैं, तो फिर सवाल उठाने का हक नहीं है।आपको कोई हक नहीं है यह कहने का कि बिजली नहीं आ रही है, पानी नहीं मिल रहा है। जब 18 वर्ष की हुई थी, तो घर के बड़ों के साथ वोट देने गई थी। उसके बाद से चुनाव में मतदान करना हमेशा प्राथमिकता रही। देश की बागडोर सही हाथों में सौंपना हमारा कर्तव्य है।अपनी फिल्म लव यू शंकर को लेकर तनीषा कहती हैं कि मेरे पास जब यह फिल्म आई थी तो केवल यही कहा गया था कि एक बच्चे की मां का रोल है, बनारस में शूटिंग होगी और माय फ्रेंड गणेश के निर्देशक ही उसे बना रहे हैं। मैंने तुरंत हां बोल दिया था क्योंकि कोविड में शिव जी से जुड़ी फिल्म मिली थी तो इन्कार नहीं कर सकती थी। फिल्म की शूटिंग बनारस में हुई है। काशी विश्वनाथ जाने का अवसर मिला। गंगा घाट पर दीया जलाया था। भक्ति भाव में बहती चली गई। फिल्म में बच्चे की मां का रोल करना क्या तनीषा को जोखिम भरा नहीं लगा कि बाद में वैसे ही रोल आफर होंगे। इस पर वह कहती हैं कि स्वयं के लिए निणन्य लेना चाहिए। मैं वास्तविक जीवन में अब तक मां नहीं बन पाई हूं। पात्र के जरिए उस अहसास को जीने का अवसर मिला है।

बजट निकालने में भी अक्षय की फिल्म के उड़े तोते

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' इस साल भाईजान सलमान खान की कमी पूरी करने के लिए ईद के मौके पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 10 अप्रैल को मैदान के साथ सिनेमाघरों में की तरह ही अब एक हफ्ते में बड़े मियां छोटे मियां की हालत भी बिगड़ने लगी है।गुरुवार को अचानक ही अली अब्बास जफर की ये मूवी डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गयी। फिल्म ने रिलीज के आठवें दिन इंडिया में टोटल कितनी कमाई की चलिए वाली 'बड़े मियां छोटे मियां' का गुरूवार को कलेक्शन काफी गिर गया। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, बड़े मियां छोटे मियां ने रिलीज के आठवें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 1.60 करोड़ तक की कमाई की है।अक्षय कुमार-टाइगर श्रॉफ

टक्कर ली थी।और टाइगर श्रॉफ की हालिया रिलीज फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत अच्छी हुई थी लेकिन एक हफ्ते में ही फिल्म की हालत बिगड़ने लगी है। रिलीज के आठवें दिन इंडिया में फिल्म की कमाई बहुत ही बुरी तरह से गिर गयी। आठ दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई हुई है यहां पर देखें पूरे आंकड़े-खिलाड़ी अक्षय कुमार की एक्शन से भरपूर ये मूवी दुनियाभर में भले ही गदर मचा रही हो, लेकिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 'मैदान' देखते हैं।बड़े मियां छोटे मियां की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत काफी अच्छी हुई थी। इस फिल्म के पहले वीकेंड को देखते हुए यही लग रहा था कि ये मूवी अक्षय कुमार की सोई किस्मत को जगा देगी और अच्छी कमाई कर लेगी। हालांकि, अब सात दिनों में ही टाइगर श्रॉफ-मानुषी छिल्लर स्टारर इस मूवी की हालत खस्ता होते हुए दिखाई दे रही है।बुधवार के कलेक्शन के बाद अब अक्की की मूवी के आठवें दिन की कमाई का अर्ली आंकड़ा भी सामने आ गया है। रिलीज के सातवें दिन 2.55 करोड़ की कमाई करने की एक्शन से भरपूर 'बड़े मियां छोटे मियां' का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर टोटल 50.15 करोड़ नेट कलेक्शन पहुंच चुका है। इंडिया के ग्रॉस मार्केट में इस मूवी ने टोटल कलेक्शन 57.4 करोड़ तक का कर लिया है।अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी इस मूवी में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने जहां एक्स आर्मी ऑफिसर का किरदार अदा किया, तो वहीं साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में विलेन बने। मूवी को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली।

ऑलमैन ब्रदर्स बैंड के मशहूर गिटारवादक डिकी बेट्स का 80 साल की उम्र में हुआ निधन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिग्गज ऑलमैन ब्रदर्स बैंड के प्रभावशाली गायक, गीतकार और गिटारवादक डिकी बेट्स के निधन की पुष्टी की गई है। उन्होंने डिकी की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- अत्यंत दुख और भारी मन के साथ बेट्स भाइयों डुआने और ग्रेग ऑलमैन, बेरी ओकले, बुच ट्रक्स और जैमो जोहानसन के साथ ऑलमैन ब्रदर्स बैंड की सह-स्थापना की थी। उसी

फैंस लिए हैरान करने वाली खबर सामने आ रही हैं। सिंगर का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बता दें, इन्हें ऑलमैन ब्रदर्स बैंड के संस्थापक सदस्य के रूप में जाना जाता रहा है। ऑलमैन ब्रदर्स बैंड के मशहूर गिटारवादक डिकी बेट्स हमेशा-हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह गए। सिंगर का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बता दें इन्हें ऑलमैन ब्रदर्स बैंड के संस्थापक सदस्य के रूप में जाना जाता रहा है । उनके निधन की खबर को परिवार वालों ने पुष्टी की है । डिकी बेट्स के इंस्टाग्राम पर उनके परिवार की तरफ से उनके परिवार फॉरेस्ट रिचर्ड 'डिकी' बेट्स (12 दिसंबर, 1943 - 18 अप्रैल, 2024) के 80 वर्ष की आयु में शांतिपूर्ण निधन की घोषणा करता है।महान कलाकार, गीतकार, बैंडलीडर और परिवार के मुखिया का आज ऑस्प्रे, फ्लोरिडा में उनके घर पर उनके परिवार के सामने निधन हो गया। डिकी जीवन से भी बड़े थे और उनकी क्षति दुनिया भर में महसूस की जाएगी। इस कठिन समय में परिवार आने वाले दिनों में उनकी निजता के लिए प्रार्थना और सम्मान की मांग करता है। अधिक जानकारी उचित समय पर आएगी।बता दें, बेट्स ने 1969 में साल अपना स्व-शीर्षक डेब्यू भी जारी किया था। वह दक्षिणी रॉक बैंड में से एक बन गए और विशेष रूप से अपने टूरिंग करियर के लिए जाने जाते थे। बैंड में मुख्य गिटार बजाने के अलावा बेट्स ने कई गाने लिखे और गाए, जिसमें इन मेमोरी ऑफ एलिजाबेथ रीडङ्ग (1970), रिवाइवलङ्ग (1970), व्हिपिंग पोस्टठ (1971), हॉट 'लांताठ (1971), लेस ब्रर्स इन ए माइनरठ (1972) और मेलिसाठ (1972) जैसे सुपरहिट गाने शामिल है। बता दें, साल 2000 में उन्हें आधिकारिक तौर पर ऑलमैन ब्रदर्स बैंड से बाहर कर दिया गया और फिर वह कभी इसमे शामिल नहीं हुए।

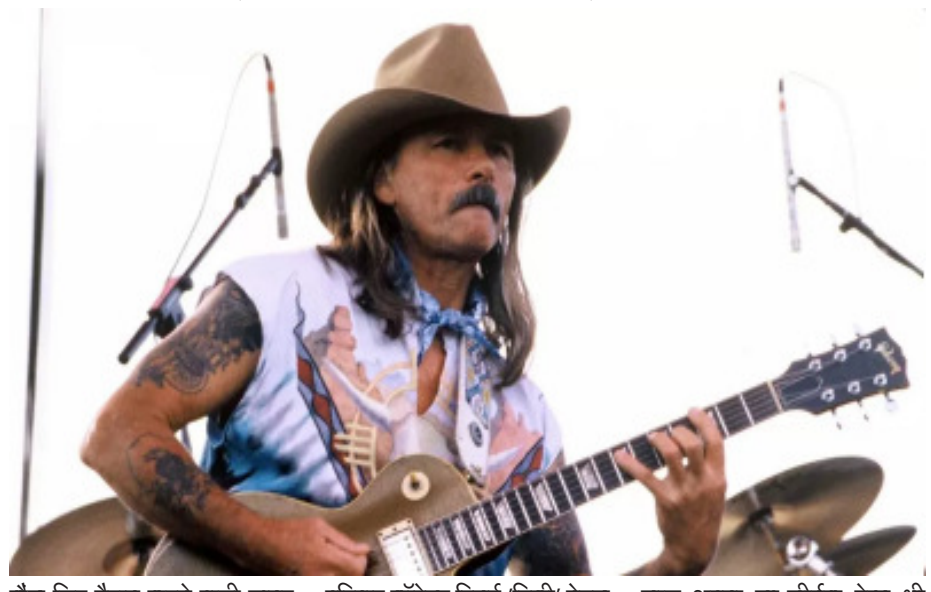

बधाई हो नीना गुप्ता बनने वाली हैं नानी, बेटी मसाबा गुप्ता ने कुछ इस अंदाज में शेयर की गुड न्यूज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस नीना गुप्ता के घर सालों बाद किलकारी गूंजने वाली हैं। अभिनेत्री जल्द नानी बनने वाली हैं। नीना की बेटी और फेमस फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता ने गुरुवार को एक अलग अंदाज में प्रेगनेंसी की अनाउंस की है। अभिनेत्री नीना गुप्ता की बेटी और फेमस फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता के घर जल्द किलकारी गूंजने वाली है । गुरुवार को डिजाइनर और एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ अपनी प्रेगनेंसी की अनाउंस की है । इस गुड न्यूज के बाद सेलेब्स और फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं ।एक्ट्रेस ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करने वाली कार्टून फोटो शेयर की है। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इतना ही नहीं नीना गुप्पा ने भी अपनी खुशी शेयर की है। गुरुवार शाम मसाबा गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर की। पहली फोटो में प्रेगन्ट कार्टून बना नजर आ रहा है। जो अपना बेबी बंप फ्लॉट कर रहा है। दूसरी तस्वीर में भी दो कार्टून नजर आ रहे हैं जो बेहद खुश है आखिरी और तीसरी फोटो में मसाबा पति सत्यदीप मिश्रा के साथ नजर आ रही हैं। वो पति के कंधे पर सिर टिकाकर बैठी हुई हैं और कैप्शन में लिखा, 'अन्य समाचारों में- दो छोटे पैर हमारी ओर आ रहे हैं! कृप्या प्यार, आशीर्वाद और केले के चिप्स भेजें।' उन्होंने हैशटैग में लिखा मसाबा के इस पोस्ट पर सेलेब्स उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। अनन्या पांडे ने लिखा-वाह! बधाई हो। परिणीति चोपड़ा ने लिखा- बधाई हो मामा। मलाइका अरोड़, कृति सेनन, ऋचा चड्ढा, गौहर खान करिश्मा कपूर ने लिखा- बधाई हो। करीना कपूर ने लिखा- सबसे अच्छी लड़की, सबसे अच्छी मां को बधाई और प्रिय सत्तू को यह सुनकर बहुत खुशी हुई।नीना गुप्ता ने जो अब नानी बनने जा रही हैं उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मसाबा की पोस्ट शेयर की और लिखा, 'हमारे बच्चों का बच्चा आने वाला है। इससे ज्यादा खुशी की बात क्या हो सकती है।' बता दें, मसाबा गुप्ता ने सत्यदीप से दूसरी शादी की थी। इससे पहले मसाबा 2015 में मधु मंटेना से शादी रचा चुकी थीं, लेकिन शादी महज 4 साल चली। इसके बाद साल 2019 में दोनों का तलाक हो गया था। पिछले साल 27 जनवरी 2023 को मसाबा ने सत्यदीप मिश्रा से शादी की, जोकि एक्टर हैं। सत्यदीप मिश्रा की भी मबासा से दूसरी शादी है। पहली शादी उन्होंने एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी से की थी।

बाप के पैसे सेष्ठ.हर्ष वर्धन कपूर को सोशल मीडिया पर किया गया ट्रोल तो एक्टर ने दिया मुंहतोड़ जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सोनम कपूर के भाई और अनिल कपूर बेटे हर्ष वर्धन कपूर सालों पहले अपना डेब्यू कर चुके हैं, लेकिन उन्हें पर्दे पर वो कामयाबी हासिल नहीं हुई, जिसकी उन्हें तलाश थी। वह बहन और पापा की तरह की अपना नाम पर्दे पर नहीं चला पाए। वह बतौर स्टार किड्स काफी ज्यादा फेमस हैं, लेकिन एक फिल्म कलाकार के रूप में उन्हें बहुत कम लोग जानते हैं।हर्ष वर्धन कपूर ने यूं तो अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2016 में की थी। इस 8 साल के करियर में अभिनेता ने बेहद कम फिल्मों में काम किया है। उन्हें पर्दे पर वो कामयाबी हासिल नहीं हुई जिसकी उन्हें तलाश थी। कई बार इसे लेकर वह सोशल मीडिया पर ट्रोल भी होते हैं । कई बार इसे लेकर वह सोशल मीडिया पर ट्रोल भी होते हैं। हालांकि, एक्टर खुद ट्रोलर्स को जवाब भी देते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। उन्हें एक यूजर ने एक्स अकाउंट पर बुरा भला कहा, जिसका एक्टर ने मुंह तोड़ जवाब दिया। जो काफी वायरल हो रहा है। अनिल कपूर के बेटे हर्ष वर्धन कपूर भले ही पर्दे पर नजर नहीं आए, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। दरअसल, हर्ष ने फुटबॉल टीम मैनचेस्टर सिटी की आलोचना करते हुए एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया और इसकी तुलना ठपोंजी स्कीमठ से कर दी। इसके बाद वह ट्रोल्स का शिकार हो गए। एक यूजर ने लिखा ठकभी एक सही फिल्म करले कब तक अपने बाप के पैसे से सनीकर्स खरीदता रहेगा। एक्टर ने लिखा, मैंआपकी फिल्में कहां देख सकता हूं आपने कितने की हैं मैंने रे थार, भावेश जोशी और एके बनाम एके, मिजिऱ्या.. आप कौन हैं एक हारा हुआ व्यक्ति जो ट्विटर पर कड़वाहट रखता है, जिसने अरब के पैसे से अमीर बनने के बाद शहर का समर्थन करना शुरू कर दिया। बता दें, हर्षवर्धन ने अपना एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2016 में फिल्म 'मिजऱ्या' की थी। इससे पहले उन्होंने साल 2015 में फिल्म 'बॉम्बे वेलवेट' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था।

इस एक्ट्रेस की बदौलत चमकी अरशद वारसी की किस्मत, बिना स्क्रीन टेस्ट दिए मिल गई थी डेब्यू फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'तेरे मेरे सपने', 'मुनन भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुनन भाई', 'इश्किया' और 'जॉली एलएलबी' समेत कई अनगिनत फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभा चुके अभिनेता अरशद वारसी आज बॉलीवुड का एक जाना माना नाम हैं। उन्होंने अभी तक अपने करियर में कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी की गिनती बी टाउन के बेहतरीन स्टार्स में होती है। उन्होंने अभी तक कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि फिल्मों में आने का उनका यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने अपने जीवन में कई संघर्ष देखे थे। अब अभिनेता के जन्मदिन पर चलिए जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़े किस्से। हालांकि, एक्टिंग में करियर बनाना और फिल्मों में आना उनके लिए इतना आसान नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे। अरशद 19 अप्रैल को अपना 56वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने वाले हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से। अरशद वारसी का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। कम उम्र में ही उनके माता-पिता की मौत हो गई, जिसके बाद

अभिनेता को अपने शुरुआती दिनों में जीवनयापन के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। फाइनेंसियल कंडीशन को देखते हुए अरशद ने 17 साल की उम्र में घर-घर जाकर कॉस्मेटिक का सामान बेचना शुरू कर दिया। इसके बाद अरशद ने कुछ समय तक फोटो लैब में भी काम किया। बाद में एक्टर ने डांस और कोरियोग्राफी में अपना हाथ आजमाया और एक डांसिंग ग्रुप ज्वाइन कर लिया। साल 1991 में उन्होंने भारतीय डांस प्रतियोगिता जीती और 21 साल की उम्र में विश्व डांस चैम्पियनशिप में चौथा पुरस्कार जीता। इसके बाद अरशद ने अपना डांस स्टूडियो शुरू किया। यहीं उनकी मारिया गोरेटी से मुलाकात हुई। कुछ समय बाद एक्टर को रूप की रानी चोरों का राजा के टाइटल ट्रैक को कोरियोग्राफ करने का मौका मिला। अरशद वारसी ने फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने कभी एक्टिंग नहीं की थी। इस फिल्म का निर्माण उस समय अमिताभ बच्चन की कंपनी 'एबीसीएल' ने किया था। 'तेरे-मेरे सपने' के लिए अरशद वारसी ने जया बच्चन को अपनी घटिया फोटो भेजी थीं। उन्होंने एक शो में बताया कि उनके पास पोर्टफोलियो शूट करवाने के पैसे नहीं थे और जो फोटो थीं वही भेज दीं। उन्हीं फोटो को देखकर जया बच्चन ने मुझे फिल्म में कास्ट किया था। उन्होंने मेरा स्क्रीन टेस्ट तक नहीं लिया था। इसके काफी समय बाद जब अभिनेता ने उनसे इस बारे में पूछा कि मेरी घटिया फोटो देखकर भी आपने मुझे फिल्म में क्यों कास्ट किया, तो एक्ट्रेस ने कहा कि जो अपने तस्वीरें भेजी थीं, उन सभी में आपके भाव अलग-अलग थे। ऐसे में जया बच्चन यह देखकर ही समझ गई थीं कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं। यह फिल्म हिट हुई थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिसमें से कुछ फ्लॉप तो कुछ अच्छी चलीं। फिर राजकुमार हिरानी की फिल्म मुनन भाई एमबीबीएस और लगे रहो मुनन भाई में 'सर्किट' का किरदार निभा कर वह काफी फेमस हो गए। संजय दत्त के साथ उनकी जोड़ी और उनकी एक्टिंग की वजह से उन्होंने खूब तारीफें बटोरी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।